रीवा
10 फरवरी 2026 मंगलवार

दैनिक
मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

शाह बोले: बस्तर की पहचान बारूद नहीं, संस्कृति है

बस्तर पंडुम में कहा- तय समय में नक्सलवाद खत्म होगा, यह सबसे विकसित संभाग बनेगा

जगदलपुर, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि बस्तर की पहचान बारूद से नहीं, बल्कि उसकी समृद्ध संस्कृति से है। उन्होंने कहा कि नक्सलवाद का तेजी से सफाया हो रहा है और सरेंडर करने वाले नक्सलियों को कोई आंच नहीं आएगी। लेकिन स्कूल और अस्पताल जलाने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। तय समय में नक्सलवाद खत्म होगा।

शाह ने भरोसा दिलाया कि बस्तर को प्रदेश का सबसे विकसित संभाग बनाया जाएगा। उन्होंने ये बातें जगदलपुर के लालबाग मैदान में आयोजित बस्तर पंडुम के मंच से कही। इससे पहले स्वागत के दौरान उन्हें कौड़ी की माला और पारंपरिक पगड़ी पहनाई गई।

अमित शाह बोले- कम्युनिस्ट विचारधारा विनाशकारी :इससे पहले रविवार को रायपुर के मेफेयर होटल में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने नक्सलवाद पर हाईलेवल समीक्षा बैठक ली थी। पहले सत्र में इंटेलिजेंस इनपुट्स, नक्सलविरोधी अभियानों, इंफ्रास्ट्रक्चर और आत्मसमर्पण नीति की प्रगति पर चर्चा हुई।

शाह ने कहा कि 31 मार्च से पहले नक्सलवाद समाप्त करने का लक्ष्य तय है। उन्होंने कम्युनिस्ट विचारधारा को विनाशकारी बताते हुए कहा कि माओवादी समस्या न तो विकास की कमी है और न ही केवल कानून-व्यवस्था का मुद्दा, बल्कि यह विचारधारा से जुड़ी चुनौती है। बैठक में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, डिप्टी सीएम विजय शर्मा, CRPF और कई राज्यों के डीजीपी शामिल हुए थे। गृह मंत्री ने कहा कि माओवादियों ने गरीब आदिवासी युवाओं के हाथों में हथियार थमाए और तिरुपति से पशुपतिनाथ तक 'रेड कॉरिडोर' का नारा दिया। उन्होंने कहा, साढ़े चार दशकों तक उन्होंने इस पूरे क्षेत्र में विकास को रोके रखा।

शाह ने आगे कहा मुझे यह कहने में कोई संकोच नहीं कि अगर बस्तर माओवादी समस्या से प्रभावित नहीं होता, तो आज यह देश का सबसे विकसित जिला होता। आने वाले 10 वर्षों में बस्तर देश का सबसे विकसित आदिवासी क्षेत्र बनेगा।

सीएम साय बोले- जवानों के साहस-संकल्प से बदल रही बस्तर की तस्वीर

छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र में 45 वर्षों से अधिक समय तक नक्सलवाद का प्रभाव रहा। बस्तर का क्षेत्रफल केरल राज्य से भी बड़ा है। लाल आतंकवाद के कारण यहां के लोगों को लंबे समय तक बुनियादी सुविधाएं नहीं मिल पाईं। लेकिन गृह मंत्री की दृढ़ इच्छाशक्ति और ठोस रणनीति के चलते मात्र दो वर्षों में यहां शांति स्थापित हुई है। आज गृह मंत्री का हमारे बीच होना बस्तर के लिए ऐतिहासिक क्षण है। बस्तर पंडुम, बस्तर की संस्कृति और पहचान का प्रतीक है। एक समय था जब यह विश्वास करना कठिन था कि बस्तर से नक्सलवाद कभी समाप्त होगा। लेकिन गृह मंत्री के संकल्प और जवानों के साहस से आज बस्तर की स्थिति और परिस्थितियां पूरी तरह बदल चुकी हैं। गृह मंत्री ने कहा कि देश में नक्सलवाद का सबसे अधिक प्रभाव करीब 75 प्रतिशत छत्तीसगढ़ में था, लेकिन आज पूरे विश्वास के साथ कहा जा सकता है कि यह संकल्प अब पूरा होने की दिशा में है।

माओवाद से 90 प्रतिशत क्षेत्र मुक्त

शाह ने कहा कि अब माओवाद से 90 प्रतिशत क्षेत्र मुक्त हो चुका है और उन्होंने दोहराया कि 31 मार्च से पहले माओवादी समस्या को जड़ से उखाड़ फेंका जाएगा। हालांकि, उन्होंने माओवादियों से हथियार छोड़ने की अपील भी की और कहा कि सरकार एक भी गोली चलाना नहीं चाहती। जो माओवादी आत्मसमर्पण करेंगे, सरकार उनका रेड कार्पेट बिछाकर स्वागत करेगी।

नक्सली खात्मे की डेडलाइन को 51 दिन बाकी

छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद को लेकर केंद्र सरकार की रणनीति से जुड़े अहम दौर की शुरुआत हो रही है। अमित शाह का यह दौरा ऐसे समय पर हो रहा है, जब 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद के खात्मे की डेडलाइन अब नजदीक आ चुकी है।
इस समयसीमा का ऐलान खुद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने किया था। इसके बाद छत्तीसगढ़ समेत नक्सल प्रभावित इलाकों में सुरक्षाबल लगातार अभियान चला रहे हैं। इस डेडलाइन में अब करीब 51 दिन का ही समय बाकी है।

परीक्षा पे चर्चा : टेक्नोलॉजी के गुलाम न बनें, निडर बनेंगे तो लीडर बनेंगे : पीएम मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को परीक्षा पे चर्चा के 9वें एडिशन के दूसरे एपिसोड में देशभर से आए छात्रों से मुलाकात की।
पीएम मोदी कोयंबटूर से छत्तीसगढ़ पहुंचे और बच्चों से बात की। इसके बाद पीएम गुवाहाटी के अष्टलक्ष्मी पहुंचे। पीएम ने कहा कि कभी भी टेक्नोलॉजी का गुलाम नहीं बनना चाहिए। टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल क्षमता बढ़ाने में करें।

दूसरे एपिसोड में पीएम मोदी ने बच्चों को पढ़ने के साथ, लिखकर प्रैक्टिस करने की सलाह दी। साथ ही बच्चों से कहा कि पहले निडर बनो फिर लीडर बन जाओगे।

कमजोर क्लासमेट्स की मदद :पीएम ने छात्रों को पढ़ाई में कमजोर क्लासमेट्स की मदद करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि छात्रों को उनसे दोस्ती करनी चाहिए और उन्हें टॉपिक समझाने चाहिए। दूसरों को पढ़ाने से खुद भी बेहतर सीखने में मदद मिलती है।

परीक्षा के समय तनाव कैसे कम करें : आप पुरानी परीक्षा के दिनों को याद कीजिए। जब आप पुरानी परीक्षाओं को याद करेंगे, तो आपको लगेगा उस समय भी तनाव था, लेकिन जब वह परीक्षा देकर आ गया, तो कुछ नहीं था। ऐसा होता है ना। परीक्षा के लिए सबसे अच्छी चीज होती है कि आप पेपर सॉल्व करने की आदत डालें। लिखने की आदत डालें। अगर खुद आप इस तरह से प्रैक्टिस करते रहेंगे तो आपको कभी तनाव नहीं होगा।

जहां भी जाएं स्टूडेंट की तरह जाएं

आप वेकेशन पर जा रहे हैं, तो पहले अपनी तहसील में देखें कहां जा सकते हैं, फिर जिला, फिर राज्य। कहने का मतलब ये है कि आप जहां भी घूमें एक स्टूडेंट की नजर से घूमें ताकि आप लगातार कुछ सीख सकें।

पहले निडर बनो, फिर लीडर बनो

पहले निडर बनो, जो काम है, मन में तय करो कि कोई ओर करे या ना करे मैं करुंगा। जब आप ऐसा सोचना शुरू कर देंगे, तो आप देखेंगे कि अपने आप लीडरशिप क्वालिटी डेवलप हो जाएगी। मान लीजिए कहीं कचरा है और उसे आपने उठा लिया, तो आपको देखने वाले 4 लोग भी ऐसा ही करने लगेंगे।

खामियों से भरी मतदाता सूची से ही चुनाव कराना चाहती हैं ममता बनर्जी : भाजपा

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल में एसआईआर प्रक्रिया को लेकर राज्य सरकार और विपक्ष के बीच राजनीतिक टकराव तेज हो गया है। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा इस प्रक्रिया के विरोध पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। भाजपा का आरोप है कि तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) राज्य में पारदर्शी चुनाव प्रक्रिया में बाधा उत्पन्न करने की कोशिश कर रही है और गलतियों से भरी मतदाता सूची के सहारे चुनावी मैदान में उतरने की तैयारी में है। पश्चिम बंगाल भाजपा अध्यक्ष और सांसद समिक भट्टाचार्य ने राज्य सरकार की मंशा पर सवाल उठाते हुए कहा कि तृणमूल कांग्रेस का एकमात्र एजेंडा एसआईआर प्रक्रिया को पूरी तरह से समाप्त करना है।
उन्होंने दावा किया कि सत्ताधारी दल त्रुटिपूर्ण वोटर लिस्ट के साथ चुनाव कराने के लिए बेताब है ताकि चुनावी लाभ लिया जा सके। इसके साथ ही उन्होंने राज्य की कानून–व्यवस्था पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि बंगाल में हिंसा का दौर थम नहीं रहा है।
भट्टाचार्य ने आरोप लगाया कि 2021 के विधानसभा चुनावों के बाद बड़े पैमाने पर भाजपा कार्यकर्ताओं की हत्याएं हुईं और महिलाओं के खिलाफ जघन्य अपराध किए गए। उन्होंने कहा कि केंद्रीय जांच एजेंसियां इन मामलों की जांच कर रही हैं, लेकिन स्थानीय पुलिस साक्ष्यों को मिटाने के प्रयासों में जुटी है।

शरद पवार की बिगड़ी तबीयत, सांस लेने में तकलीफ

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री और एनसीपी प्रमुख व वयोवृद्ध नेता शरद पवार की सेहत अचानक खराब होने के बाद उन्हें बारामती से पुणे के रूबी हॉल क्लिनिक हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। शरद पवार को खांसी और सांस लेने में परेशानी जैसी शिकायतें हैं। यह जानकारी उनके कार्यालय की ओर से दी गई है। हालांकि अभी उनकी सेहत की गंभीरता को लेकर कोई आधिकारिक विवरण नहीं आया है। डॉक्टर उनकी स्थिति का पूरा निरीक्षण कर रहे हैं और जरूरी मेडिकल जांचें की जा रही हैं।

रिपोर्ट में दावा

भारतीय कंपनियों पर साइबर हमला सबसे बड़ा खतरा, हो रहा बड़ा नुकसान

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय कंपनियों के सामने इस समय साइबर सुरक्षा से जुड़ा खतरा सबसे बड़ी चुनौती बनकर उभरा है। 51 फीसदी वरिष्ठ अधिकारियों ने माना है कि साइबर हमले और डाटा चोरी उनके संस्थानों के प्रदर्शन को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचा रहे। यह बात फिक्की-ईवाई जोखिम सर्वे 2026 में सामने आई है, जिसे रविवार को जारी किया गया।

सर्वे के अनुसार, साइबर जोखिम के बाद कंपनियों के लिए दूसरी बड़ी चिंताएं ग्राहकों की बदलती जरूरतें और जियोपॉलिटिक्स घटनाएं हैं। करीब 49 फीसदी अधिकारियों ने कहा कि ग्राहकों की मांग तेजी से बदल रही है, जिससे कंपनियों पर दबाव बढ़ रहा है। वहीं 48 फीसदी ने वैश्विक स्तर पर चल रहे राजनीतिक तनाव और घटनाक्रम को कारोबार के लिए जोखिम बताया।

रिपोर्ट में साफ कहा गया है कि तकनीक से जुड़ा जोखिम अब केवल आईटी तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सीधे तौर पर कंपनी के रोजमर्रा के कामकाज और कारोबार की निरंतरता से जुड़ गया है। सर्वे में शामिल 61 फीसदी उत्तरदाताओं का मानना है कि तेज तकनीकी बदलाव और डिजिटल माहौल उनकी प्रतिस्पर्धी स्थिति को प्रभावित कर रहा है।

64 फीसदी अधिकारियों ने कहा–कुशल कर्मचारियों की है कमी :60 फीसदी लोगों का कहना है कि अगर एआई और अन्य नई तकनीकों को सही तरीके से नहीं अपनाया गया तो कंपनियों की कार्यक्षमता प्रभावित हो सकती है। वहीं 54 फीसदी उत्तरदाताओं को लगता है कि एआई से जुड़े नैतिक, पारदर्शिता और गवर्नेंस से जुड़े जोखिमों को अभी ठीक से संभाला नहीं जा रहा।

संसद और दिल्ली के स्कूलों में बम की धमकी

- मेल में लिखा- 13 फरवरी को संसद में ब्लास्ट होगा, दिल्ली को खालिस्तान बना देंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली के 15 स्कूलों को सोमवार सुबह बम से उड़ाने की धमकी भरे ई-मेल मिले। मेल में दावा किया गया कि 13 फरवरी को दोपहर 1.11 बजे संसद में ब्लास्ट होगा और दिल्ली को खालिस्तान बना देंगे। अधिकारियों ने बताया कि आठ धमकियां बाद में फर्जी पाई गईं। ईमेल में आतंकी अफजल गुरु और पंजाब को खालिस्तान बताने का भी जिक्र था। धमकी के बाद स्कूलों में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। दिल्ली फायर सर्विस (DFS) के मुताबिक, सुबह अलग-अलग इलाकों के स्कूलों से इमरजेंसी कॉल आईं। इसके बाद फायर टेंडर, बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वॉड तुरंत मौके पर पहुंची।

धमकी भरे ईमेल में लिखा- अफजल गुरु की याद में दिल्ली बनेगा खालिस्तान। 1:11 बजे पर धमाका होगा, 13 फरवरी को 1:11 बजे पर संसद में ब्लास्ट होगा। पंजाब खालिस्तान है। खालिस्तान नेशनल आर्मी।

स्कूलों को खाली कराया गया : DFS के एक अधिकारी ने कहा कि अब तक 15 स्कूलों ने धमकी मिलने की सूचना दी है। सभी परिसरों की गहन जांच की जा रही है। इनमें से आठ धमकियों को बाद में फर्जी बताया गया। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने बताया कि ईमेल की लोकेशन और सोर्स पता करने के लिए साइबर टीमें सक्रिय कर दी गई हैं। साथ ही राजधानी के संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की गई। अब तक किसी भी स्कूल से कोई संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई है।

मणिपुर हिंसा: घायल भाजपा विधायक वाल्टे की हालत गंभीर

- बेटे ने कहा- फेफड़ों की बीमारी के बाद दिल्ली एयरलिफ्ट

इंफाल, एजेंसी। मणिपुर के चुराचांदपुर से भाजपा विधायक वुंगजागिन वाल्टे की सेहत को लेकर चिंता बढ़ गई है। जातीय हिंसा में घायल रहे विधायक की हालत फिर बिगड़ने पर उन्हें दिल्ली एयरलिफ्ट किया गया है। परिवार ने बताया है कि अब फेफड़ों से जुड़ी गंभीर समस्या सामने आई है। बेटे के ताजा बयान के बाद मामला फिर सुर्खियों में है। राज्य सरकार ने भी उनके इलाज को लेकर सक्रियता दिखाई है।

विधायक के बेटे डेविड मंग वाल्टे ने बताया कि दो दिन पहले फेफड़ों की बीमारी का पता चला। उन्होंने कहा कि अभी हालत थोड़ी स्थिर है, लेकिन वह अब भी गंभीर स्थिति में हैं। बेटे के मुताबिक भीड़ हिंसा में गंभीर चोट लगने के बाद से उनका स्वास्थ्य लगातार खराब रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुकी, मेइतेई और जोमी समुदायों के बीच तनाव के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री से मिलकर लौटते समय उन पर अरामबाई तेंगोल समूह ने हमला किया था।

सांस लेने में दिक्कत, आईसीयू में भर्ती

स्वास्थ्य बिगड़ने पर विधायक को पहले स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। शनिवार शाम उन्हें तेज सांस की दिक्कत हुई। डॉक्टरों ने जांच के बाद पल्मोनरी एडिमा यानी फेफड़ों में तरल भरने की समस्या बताई। हालत नाजुक होने पर उन्हें आईसीयू में रखा गया। डॉक्टरों की टीम ने तुरंत बड़े केंद्र पर रेफर करने की सलाह दी, ताकि उन्नत इलाज मिल सके।
इम्फाल से चार्टर्ड एयर एम्बुलेंस से दिल्ली भेजा–विधायक को चुराचांदपुर से एम्बुलेंस के जरिए इम्फाल लाया गया। इसके बाद चार्टर्ड एयर एम्बुलेंस से दिल्ली के अस्पताल भेजा गया। इम्फाल के बिर टिकेंद्रजीत इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर मुख्यमंत्री वाई. खेमचंद सिंह ने उनसे मुलाकात की। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर विधायक के जल्द स्वस्थ होने की कामना की। इस दौरान अन्य जनप्रतिनिधि भी मौजूद रहे।

फरीदाबाद जेल में आतंकी अब्दुल रहमान की हत्या

- राम मंदिर उड़ाने की साजिश रची थी; हमलावर और अब्दुल एक ही बैरक में थे

फरीदाबाद,एजेंसी। हरियाणा की फरीदाबाद जेल में बंद आतंकी अब्दुल रहमान की हत्या कर दी गई है। रविवार देर रात जेल में मर्डर केस में बंद अरुण चौधरी उर्फ अब्बू जट नाम के कैदी ने उस पर नुकीली चीज से हमला किया। दोनों को हाई सिक्योरिटी वाली बैरक में एक साथ बंद किया गया था।

कत्ल का पता चलते ही जेल अधिकारी बैरक में पहुंचे। इसके बाद आतंकी की लाश को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया गया। 20 साल के आतंकी अब्दुल को गुजरात ATS ने मार्च 2025 में पकड़ा था। जांच में पता चला कि वह अलकायदा इन इंडियन सब-कांटिनेंट (AQIS) के कुख्यात आतंकी अबू सूफियान के संपर्क में था। उसने अयोध्या में राम मंदिर उड़ाने की साजिश रची थी।

पंजाब में लॉ छात्रा की हत्या कर सुसाइड किया

- तरनतारन में छात्र ने क्लासरूम में घुसकर सिर में गोली मारी; खुद को भी शूट किया

तरनतारन,एजेंसी। पंजाब के तरनतारन स्थित लॉ कॉलेज में सोमवार को छात्र ने क्लासरूम में घुसकर छात्रा की गोली मारकर हत्या कर दी। इसके बाद उसने वहीं पर खुद को भी गोली मारकर सुसाइड कर लिया।

मृतक छात्रा संदीप कौर (20) है, वह लॉ कॉलेज में फर्स्ट ईयर की स्टूडेंट थी। वहीं आरोपी छात्रा तरनतारन का प्रिंसराज सिंह है, वह भी छात्रा के साथ पढ़ता था। पुलिस ने लॉ कॉलेज को सील कर दिया है, साथ ही हत्या के कारणों की जांच कर रही है। वहीं लड़की की मां ने आरोप लगाया कि कॉलेज से उन्हें कहा गया कि छोटा सा झगड़ा हुआ और उनकी बेटी को चोट लगी है। वह कॉलेज पहुंचे तो बेटी मरी पड़ी थी। पुलिस के मुताबिक अभी घटना के पीछे की वजह सामने नहीं आई है। शुरुआती तौर पर इसे एकतरफा प्यार से जोड़कर देखा जा रहा है। पुलिस को शक है कि युवक ने वेलेंटाइन वीक में 8 फरवरी को छात्रा को प्रपोज किया था लेकिन उसने इनकार कर दिया। जब छात्रा राजी नहीं हुई तो छात्र ने ये कदम उठाया।

राजस्थान हाईकोर्ट बोला-2046 तक देश में बच्चों से ज्यादा बुजुर्ग होंगे

राजस्थान के सभी वृद्धाश्रमों की ऑडिट होगी, खाने की क्वालिटी से लेकर हर सुविधा जांची जाएगी

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान के सभी 31 वृद्धाश्रमों (ओल्ड एज होम) की जांच होगी। वहां रहने वाले बुजुर्गों को मिलने वाली सुविधाओं की हकीकत सामने आएगी। बुजुर्गों को मेडिकल की सुविधा मिल रही है कि नहीं, खाने की क्वालिटी, बिल्डिंग की स्थिति, साफ-सफाई से लेकर सुरक्षा के इंतजाम कैसे हैं, इन सब बिंदुओं पर हाईकोर्ट ने 15 फरवरी तक रिपोर्ट तलब की है।

कोर्ट ने नाराजगी जताई राजस्थान हाईकोर्ट की जयपुर बेंच ने यह जिम्मेदारी राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण और सभी जिला विधिक सेवा प्राधिकरणों को दी है। हाईकोर्ट ने टिप्पणी की कि 2046 तक देश में बच्चों से ज्यादा बुजुर्ग होंगे। इसके लिए हमारा सिस्टम तैयार नहीं है।

बेंच ने लोक उत्थान संस्थान की जनहित याचिका पर सुनवाई की। जस्टिस पुष्पेंद्र सिंह भाटी और जस्टिस संगीता शर्मा की डिवीजन बेंच ने राजस्थान में ओल्ड एज होम्स (वृद्धाश्रमों) की स्थिति को लेकर कोर्ट ने नाराजगी जाहिर की है। कोर्ट ने साफ कहा कि ये आश्रम सिर्फ कागजी

औपचारिकता नहीं हो सकते, बल्कि यहां रहने वाले बुजुर्गों को सम्मान, बेहतर चिकित्सा, सुरक्षा और मानवीय गरिमा के साथ जीने का हक मिलना चाहिए।

कोर्ट ने कहा- आधुनिक समाज ने बुजुर्गों को उपेक्षित बनाया कोर्ट ने भारतीय संस्कृति का जिक्र करते हुए कहा कि हमारे यहां बुजुर्गों को भगवान का दर्जा दिया जाता है, लेकिन आधुनिक समाज में संयुक्त परिवारों का टूटना, शहरीकरण और बदलती जीवनशैली ने उन्हें असहाय और उपेक्षित बना दिया है।

कोर्ट ने कहा- वरिष्ठ नागरिकों की देखभाल अब सिर्फ परिवार की नैतिक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि संवैधानिक जिम्मेदारी है। जनहित याचिका में वृद्धाश्रमों की खराब स्थिति को लेकर सवाल उठाए गए थे। बुनियादी सुविधाओं की कमी और लापरवाही का आरोप लगाया गया है।

बुजुर्गों की संख्या बढ़ने से कोर्ट चिंतित अदालत ने कहा कि देश में बुजुर्गों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। कोर्ट ने इस पर चिंता जताते हुए इसे खतरे की घंटी बताया। विभिन्न रिपोर्ट्स का हवाला देते हुए कोर्ट ने कहा कि 2022 में बुजुर्गों की आबादी कुल जनसंख्या का करीब 10.5% थी, जो 2050 तक 20% से ज्यादा हो सकती है।

देश में 2046 तक बुजुर्गों की संख्या बच्चों से भी ज्यादा होगी। ऐसे में अगर अभी से ठोस व्यवस्था नहीं की गई, तो भविष्य में यह स्थिति सामाजिक संकट का रूप ले सकती है।

प्रदेश में 31 वृद्धाश्रम चल रहे सुनवाई के दौरान सरकार की ओर से कोर्ट को बताया गया कि राजस्थान में 31 वृद्धाश्रम चल रहे हैं। कोर्ट ने कहा कि सिर्फ संख्या बताना काफी नहीं, वहां बुजुर्गों के लिए किस तरह की व्यवस्था है, यह देखना भी जरूरी है।

संस्थान की ओर से पैरवी करने वाले अधिवक्ता नितिन सोनी ने कोर्ट को बताया कि सरकार की लिस्ट में कई पुनर्वास केंद्रों को भी वृद्धाश्रम बताकर शामिल किया गया है, जबकि वास्तव में इतने आश्रम संचालित नहीं हो रहे।

राजस्थान में राजा रघुवंशी जैसा हत्याकांड

जयपुर, एजेंसी। सात साल पहले एक इत्तेफाकन मुलाकात के तौर पर शुरू हुआ रिश्ता, 30 जनवरी को एक क्रूर अपराध को रूप में खत्म हुआ। यहां एक नई शादीशुदा महिला ने कथित तौर पर राजस्थान में अपने पति की हत्या की साजिश रची, वो भी शादी के महज तीन महीने बाद। यह मामला, जिसे अब राजस्थान का हनीमून मर्डर कहा जा रहा है, 2018 की एक शादी से जुड़ा है। आरोपी, 23 साल की अंजलि, 25 साल के संजय से एक फंक्शन में मिली थी, जहां वो वेटर का काम कर रहा था। वहां पर दोनों ने बातें की और उसे अपना नंबर दिया, लेकिन उस समय अंजलि का पास मोबाइल नहीं थी, जिस कारण दोनों की संपर्क टूट गया।

साल 2024 में जब अंजलि ने फोन खरीदा तो उसने संजय से फिर से संपर्क किया। धीरे-धीरे, उनकी बातचीत बढ़ी और वे रिलेशनशिप में आ गए। हालांकि, उसके परिवार की कुछ और ही योजनाएं थीं। संजय के साथ रिश्ते में होने के बावजूद, उसके माता-पिता ने रावला में रहने वाले आशीष कुमार से उसकी शादी तय कर दी।

शादी से खुश नहीं थी अंजलि: 2025 में, उसके परिवार ने उसके लिए एक रिश्ता ढूंढ लिया, भले ही उसका दिल कहीं और था। 30 अक्तूबर, 2025 को अंजलि के परिवार ने उसकी शादी रावला के रहने वाले आशीष कुमार से कर दी। उसका पति पढ़ा-लिखा और नरम स्वभाव का था। अंजलि खुद बीकॉम ग्रेजुएट थी। शादी के बाद वह रावला चली गई, लेकिन खुश नहीं थी। रावला में अपने ससुराल और सादुलशहर में अपने मायके के बीच 225 किलोमीटर की दूरी उसके लिए सिर्फ भौगोलिक नहीं थी, यह एक भावनात्मक बोझ बन गई थी। शादी के बाद भी वह संजय के संपर्क में बनी रही।

हत्या से पहले मायके गई अंजलि: हत्या से लगभग 16 दिन पहले, अंजलि अपने माता-पिता के घर गई थी। पुलिस के अनुसार, इसी दौरान उसने और संजय ने आशीष कुमार को मारने की योजना बनाई थी। हालाकि शादी के बाद वे व्यक्तिगत रूप से नहीं मिले, लेकिन वे अक्सर व्हाट्सएप कॉल पर बात करते थे। हत्या के दिन, दोनों ने 5 से 7 बार बात की। 30 जनवरी की रात, डिनर के बाद, अंजलि ने प्लान के तहत अपने पति से उसके साथ टहलने जाने के लिए कहा। फिर उसने फोन पर संजय को उनकी लोकेशन बताई।

प्रेमी के साथ मिलकर पति को उतारा मौत के घाट : संजय, अपने दो साथियों रोहित उर्फ रॉकी और बादल उर्फ सिद्धार्थ के साथ, सड़क किनारे झाड़ियों में इंतजार कर रहा था। जैसे ही अंजलि अपने पति के साथ उस जगह पहुंची, उसने कथित तौर पर उन आदमियों को इशारा किया। ग्रुप ने आशीष पर हमला किया और उसे लाठियों से बार-बार मारा। जब वह जमीन पर पड़ा था और अभी भी सांस ले रहा था, तो उन्होंने उसे मफलर से गला घोंट दिया।

एक मनगढ़ंत लूट की योजना: घटना को लूट या हादसा दिखाने के लिए, अंजलि ने अपने झुमके और आशीष का मोबाइल फोन हमलावरों को दे दिया। फिर वह बेहोश होने का नाटक करते हुए सड़क पर लेट गई। आस-पास से गुजरने वालों से जानकारी मिलने के बाद, पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों को अस्पताल ले गई, जहां आशीष को मृत घोषित कर दिया गया।

पोस्टमॉर्टम से सच सामने आया: पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट से पता चला कि आशीष के सिर के पिछले हिस्से में गंभीर चोटें थीं और उसकी मौत गला घोंटने से हुई थी। इस खुलासे से जांच की दिशा पूरी तरह बदल गई। सभी आरोपियों को अब गिरफ्तार कर लिया गया है। तीनों आदमियों को 5 दिन की रिमांड पर भेजा गया और अंजलि को दो दिन की रिमांड पर भेजकर बीकानेर जेल भेज दिया गया।

शिवसेना विधायक ने नाबालिग बेटे के साथ किया मतदान, तीन निलंबित

मुंबई, एजेंसी। शिवसेना के विधायक विलास भुमरे के नाबालिग छोटे बेटे को लेकर मतदान केंद्र में जाने के बाद रविवार को जिला परिषद और पंचायत समिति चुनाव ड्यूटी पर तैनात तीन व्यक्तियों को निलंबित कर दिया गया। यह घटना छत्रपति संभाजीनगर के पैठान तालुका में हुई, जहां भुमरे ने मतदान प्रक्रिया से संबंधित गोपनीयता और अन्य मानदंडों का उल्लंघन किया। यह घटना शनिवार को पाचोड बूथ में हुई, जहां भुमरे और उनके 14 वर्षीय बेटे की उंगलियों पर स्याही लगाई गई। इसका एक वीडियो इंटरनेट मीडिया पर वायरल हो गया। इसके बाद जिला कलेक्टर और चुनाव के रिटर्निंग अफसर दिलीप स्वामी ने जांच का आदेश दिया।

जिला प्रशासन की ओर से जारी विज्ञप्ति में कहा गया कि मतदान बूथ 58/7 के प्रमुख दिलीपा नारवाडे, बूथ अधिकारी संगीता केदार और होमगार्ड रेणुका बोंबले को इस घटना की जांच रिपोर्ट आने तक निलंबित कर दिया गया है। नारवाडे और केदार स्कूल के शिक्षक हैं, जिन्हें चुनाव ड्यूटी के लिए तैनात किया गया था। पत्रकारों से बातचीत में पैठान से विधायक भुमरे ने इस घटना को मामूली बताया। उन्होंने कहा, जब मेरी उंगली पर मतदान के बाद स्याही लगाई जा रही थी, मेरे बेटे ने भी अपनी उंगली पर स्याही लगवाने की इच्छा जताई। वह छोटा है। वह ईवीएम और इसके बटन के बारे में क्या समझेगा? वह छोटा है और बस मेरे साथ आया था। कलेक्टर स्वामी ने पहले कहा था कि उन्होंने इस घटना की जांच का आदेश दिया था जब उन्हें वायरल वीडियो और मीडिया के माध्यम से इसके बारे में जानकारी मिली। पैठान तालुका के संबंधित अधिकारी को घटनाक्रम पर विस्तृत स्पष्टीकरण देने के लिए कहा गया है। कलेक्टर ने उल्लंघन के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का वादा किया था।40 वर्षीय भुमरे वरिष्ठ शिवसेना नेता संदीपनराव भुमरे के पुत्र हैं, जो पांच बार के पैठान विधायक रहे हैं और वर्तमान में छत्रपति संभाजीनगर से लोकसभा सांसद हैं। इसी दिन सोलापुर में भी ऐसी ही एक और घटना हुई। एक वायरल वीडियो में उम्मीदवार अर्जुन सिंह मोहिते पाटिल का बेटा यशवंत नगर, अकलुज में एक मतदान बूथ के अंदर उनके बगल में खड़ा दिखाई दिया और ईवीएम बटन दबाते हुए देखा गया। पाटिल ने बाद में दावा किया कि बच्चे ने केवल यह देखने की इच्छा जताई थी कि वोट कैसे डाला जाता है।

मुंबई में एटीसी का बड़ा एक्शन, फर्जी दस्तावेजों के सहारे रह रहे 4 अवैध बांग्लादेशी को पकड़ा

मुंबई में बांग्लादेश के चार नागरिकों को फर्जी पहचान दस्तावेज का उपयोग कर अवैध रूप से रहने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस अधिकारियों ने रविवार को बताया कि पठानवाड़ी इलाके में चलाए गए समन्वित अभियानों के बाद ये गिरफ्तारियां की गईं। कुरार पुलिस थाने से जुड़े एंटी-टेररिज्म सेल (एटीसी) के अधिकारी को इस क्षेत्र में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी नागरिकों के बारे में सूचना मिलने पर पुलिस ने एटीसी के साथ मिलकर दो, चार और छह फरवरी को छापे मारे। इस दौरान, पठानवाड़ी के विभिन्न स्थानों से चार संदिग्धों को हिरासत में लिया गया।

पूछताछ के दौरान, सभी चार ने स्वीकारा कि वे बांग्लादेशी हैं और बिना वैध दस्तावेज भारत में घुसे थे। उनकी बांग्लादेश की नागरिकता से संबंधित कई दस्तावेज मिले। गिरफ्तार व्यक्तियों की पहचान ताहिर जमाल सरदार, मोहम्मद अब्दुल मोमिन उर्फ मोहम्मद लतीफ, नजरुल इस्लाम शेर अली विश्वास, और मोहम्मद इस्माइल हक उर्फ मोहम्मद ताहिर रहमान के रूप में हुई है। ये पठानवाड़ी में रह रहे थे। आरोपित कई साल पहले भारत में घुसे थे और फर्जी पहचान का उपयोग करके छिपे रहे। उनके निर्वासन की प्रक्रिया शुरू की गई है।

घने कोहरे से चेन्नई हवाईअड्डे पर उड़ानें बाधित, कई विमान डायवर्ट

चेन्नई, एजेंसी। चेन्नई हवाईअड्डे पर रविवार को घने कोहरे के कारण दृश्यता कम होने से उड़ान संचालन बाधित रहा। अधिकारियों ने बताया कि चेन्नई आने वाली अंतरराष्ट्रीय उड़ान समेत तीन उड़ानों को निकटवर्ती हवाईअड्डों की तरफ ले जाया गया। कुछ उड़ानों में मामूली देरी भी हुई। अधिकारी ने बताया, चेन्नई के मीनांबक्कम हवाईअड्डे पर मध्यम से घना कोहरा छाया रहा। सुबह 5:30 बजे दृश्यता लगभग 1500 मीटर थी, जो 6:30 बजे तक घटकर 350 मीटर रह गई और कोहरे के कारण 7:30 बजे तक घटकर 150 मीटर हो गई।

प्रैक्टिकल देकर लौटा, विक्ट्री साइन दिखाया; नोएडा में छात्र ने 15वीं मंजिल से लगा दी छलांग

नोएडा, एजेंसी। नोएडा सेक्टर-168 स्थित सनवर्ल्ड अरिस्टा सोसाइटी में रहने वाले एक छात्र द्वारा कथित तौर पर खुदकुशी करने का मामला सामने आया है। मृतक छात्र आर्यन शनिवार को प्रैक्टिकल एग्जाम देकर लौटा और टावर-10 की 15वीं मंजिल से छलांग लगा दी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और परिजन मौके पर पहुंचे। घायल छात्र को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हैरानी की बात यह है कि जब आर्यन छत की ओर जा रहा था तो उसने उंगलियों से विक्ट्री साइन बनाया था। पुलिस को छत पर छात्र का बैग मिला, लेकिन बैग में या घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला। परिजनों और स्थानीय लोगों के अनुसार, आर्यन पढ़ाई में काफी होशियार था, लेकिन पिछले कुछ दिनों से वह किसी बात को लेकर परेशान दिखाई दे रहा था। परिवार में माता-पिता के अलावा उसकी एक बड़ी बहन है, जो मेडिकल की पढ़ाई कर रही है। पुलिस का कहना है कि छात्र का मोबाइल फोन कब्जे में लेकर उसकी कॉल डिटेल और अन्य जानकारी की जांच की जा रही है। फील्ड यूनिट ने मौके से सभी जरूरी साक्ष्य जुटा लिए हैं और हर पहलू से जांच की जा रही है।

ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो प्रोजेक्ट के सेकेंड फेज के रूट में बदलाव, अब इन गांवों और सेक्टरों तक फायदा

गुरुग्राम, एजेंसी। गुरुग्राम मेट्रो रेल लिमिटेड (जीएमआरएल) ने ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो के दूसरे चरण के रूट में बदलाव कर दिया है। पहले यह मेट्रो ओल्ड दिल्ली रोड से राव गजराज मार्ग से होकर दिल्ली-जयपुर हाईवे स्थित शंकर चौक पहुंचनी थी। अब यह डूंडाहेड़ा के हनुमान मंदिर, राम चौक से होते हुए शंकर चौक तक जाएगी। इससे गांव डूंडाहेड़ा, मौलाहेड़ा के अलावा सेक्टर-21 और 22 के निवासियों को फायदा होगा। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीसी) की तरफ से दिल्ली के सराय रोहिल्ला से लेकर राजस्थान के बहरोड़ तक प्रस्तावित नमो भारत ट्रेन को पूर्व में कापसहेड़ा बॉर्डर से ओल्ड दिल्ली रोड, अतुल कटारिया चौक, महाराणा प्रताप चौक से होते हुए दिल्ली-जयपुर हाईवे तक लाना था। इसको ध्यान में रखते हुए ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो की योजना तैयार की गई थी। अब एनसीआरटीसी ने नमो भारत ट्रेन के रूप में बदलाव कर दिया है। यह दिल्ली-जयपुर हाईवे पर चलेगी। इसको लेकर जीएमआरएल ने ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो रूट में बदलाव कर दिया है।

दूसरे चरण में मेट्रो का रूट पहले सुशील ऐमा मार्ग से ओल्ड दिल्ली रोड और राव गजराज मार्ग होते हुए दिल्ली-जयपुर हाईवे से जुड़ना था। नई योजना के तहत सुशील ऐमा मार्ग से अब मेट्रो ओल्ड दिल्ली रोड पर गांव डूंडाहेड़ा स्थित हनुमान मंदिर तक जाएगी। इसके बाद राम चौक, उद्योग विहार फेज-तीन और फेज-पांच को विभाजित कर रही मुख्य सड़क से होते हुए शंकर चौक तक जाएगी। जीएमआरएल ने पूर्व में योजना बनाई थी कि रैपिड मेट्रो के साइबर सिटी स्टेशन से सटकर ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो का स्टेशन बनाया जाए। अब फैसल लिया है कि नमो भारत चौक के साइबर सिटी स्टेशन के बिल्कुल साथ में ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो का साइबर सिटी स्टेशन बनेगा। इस स्टेशन को एफओबी के माध्यम से रैपिड मेट्रो के स्टेशन से जोड़ा जाएगा। नमो भारत स्टेशन से हाईवे के दूसरे तरफ तक एफओबी का निर्माण किया जाएगा। डीएलएफ ने हाल ही में भूमिगत पैदल पारपथ का निर्माण कर दिया है। एक एफओबी बनाने की योजना भी है। ऐसा होने से लोगों को हाईवे को पार करने में दिक्कत नहीं होगी।

स्टेशन निर्माण की योजना जल्द फाइनल होगी : दूसरे चरण के मेट्रो मार्ग में स्टेशन की लोकेशन को जल्द फाइनल कर दिया जाएगा। इसको लेकर अधिकारियों के बीच विचार विमर्श किया जा रहा है। माना जा रहा है कि एक स्टेशन सेक्टर-21 में बनेगा और डूंडाहेड़ा से शंकर चौक के बीच में एक मेट्रो स्टेशन तैयार किया जाएगा। दूसरे चरण की इस योजना को जल्द ही वर्ल्ड बैंक के समक्ष रखा जाएगा। जीएमआरएल की योजना इस मेट्रो परियोजना के लिए करीब 3500 करोड़ रुपये का ऋण लेने की है।

2023 में जातीय हिंसा में घायल मणिपुर के विधायक की हालत बिगड़ी, दिल्ली एयरलिफ्ट

इंफाल, एजेंसी। मणिपुर में 2023 में जातीय हिंसा के दौरान हमले में घायल हुए भाजपा विधायक वुंगजागिन वाल्टे की हालत बिगड़ गई है। अधिकारियों ने बताया कि वाल्टे को रविवार को इंफाल से दिल्ली एयरलिफ्ट किया गया। मुख्यमंत्री खेमचंद सिंह ने इंफाल के अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर जाकर वाल्टे से मिले और उन्हें शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की शुभकामना दीं। चार मई, 2023 को इंफाल में भीड़ ने वाल्टे पर हमला किया था। दो साल तक दिल्ली में इलाज कराने के बाद वह अपने पैतृक घर लामका में स्वास्थ्य लाभ ले रहे थे। हालांकि, शनिवार शाम उन्हें सांस लेने में कठिनाई हुई और उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों ने कहा कि उन्हें पल्मोनरी एडिमा (फेफड़े में पानी भरना) हो गया है। विधायक को चूड़चंदपुर से एंबुलेंस में लाया गया और चिकित्सा उपचार के लिए चार्टर्ड एंबुलेंस उड़ान से दिल्ली ले जाया गया।

नोबेल शांति पुरस्कार विजेता नरगिस मोहम्मदी को ईरान ने साढ़े सात साल की सजा सुनाई

तेहरान, एजेंसी। ईरान ने नोबेल शांति पुरस्कार विजेता नरगिस मोहम्मदी को साढ़े सात की सजा सुनाई है। इसके बाद एक बार फिर उनकी चर्चा हो रही है। ईरानी सरकार और नरगिस मोहम्मदी के बीच पिछले कई दशकों से संघर्ष चला आ रहा है। उनके वकील का कहना है कि इस सजा ने ईरानी अधिकारियों के साथ दशकों से चल रही उनकी लड़ाई को और आगे बढ़ा दिया। तो आइए जानते हैं कि...

कौन हैं नरगिस मोहम्मदी : 53 साल की नरगिस मोहम्मदी एक जानी-मानी ईरानी मानवाधिकार कार्यकर्ता और नोबेल शांति पुरस्कार विजेता हैं, जो ईरान में महिलाओं पर होने वाले अत्याचार और राजनीतिक दमन के खिलाफ अभियान चलाने के लिए जानी जाती हैं। ईरानी अधिकारी उन पर विरोध प्रदर्शन आयोजित करने और राज्य के खिलाफ प्रोपेगेंडा फैलाने का आरोप लगाते हैं।

वहीं वह और उनके समर्थक इन आरोपों से इनकार करते हैं और कहते हैं कि उन्हें शांतिपूर्ण एक्टिविज्म के लिए सजा दी जा रही है। नरगिस एक इंजीनियर और लेखिका के साथ-साथ मानवाधिकार रक्षक केंद्र (डीएचआरसी) की उपाध्यक्ष भी हैं। डीएचआरसी की स्थापना नोबेल पुरस्कार विजेता शिरीन एबादी ने की थी। उन्होंने बीते एक दशक का ज्यादातर समय जेल में बिताया है। नरगिस फाउंडेशन का कहना है कि इस नए फैसले के बाद उनके खिलाफ कुल जेल की सजा 44 साल हो गई है। 2021 से वह राष्ट्रीय सुरक्षा के आरोपों में 13 साल की सजा काट रही हैं। उन्हें 2023 में ईरान में महिलाओं पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ लड़ाई और सभी के लिए मानवाधिकार और स्वतंत्रता को बढ़ावा देने के लिए नोबेल शांति पुरस्कार दिया गया। जब वह तेहरान जेल में बंद थीं, तब उनके बच्चों ने ये पुरस्कार लिया था।

अब क्यों मिली साढ़े सात साल की सजा : नरगिस मोहम्मदी को 12 दिसंबर, 2025 को मशहद में मानवाधिकार वकील खोसरो अलीकोर्डी के लिए आयोजित की गई शोक सभा से गिरफ्तार किया गया था। उनके ऊपर भड़काऊ बयानबाजी, नियम तोड़ने वाले नारे और शांति भंग करने के आरोप लगाए गए। उन्हें 13 बार गिरफ्तार किया जा चुका है और 5 बार दोषी ठहराया जा चुका है।

नौवीं के छात्र ने रूस में किया भारतीय छात्रों पर चाकू से हमला

गिरफ्तारी के दौरान पुलिस पर भी वार

मास्को, एजेंसी। रूस के बश्कोर्तोस्तान गणराज्य में एक विश्वविद्यालय में विदेशी छात्रों के छात्रावास में शनिवार को चाकू से हमला स्थानीय स्कूल में नौवीं कक्षा में पढ़ने वाले 15 वर्षीय छात्र ने किया था। चाकू से लैस हमलावर ने बश्कोर्तोस्तान के ऊफा स्थित स्टेट मेडिकल यूनिवर्सिटी के छात्रावास में घुसकर वहां रहने वाले छात्रों पर हमला किया था। इस हमले में चार भारतीयों समेत छह लोग घायल हो गए थे।

भारतीय छात्रों की हालत सुधरी : भारतीय मिशन ने रविवार को कहा कि इस हमले में घायल भारतीय छात्रों की हालत सुधर रही है। भारतीय मिशन ने कहा, वे स्वस्थ हो रहे हैं। हमारे काउंसलर अधिकारी ने अस्पताल में उनसे मुलाकात की और हास्टल में अन्य छात्रों से भी मिले। हम उनके साथ नियमित संपर्क में हैं।

हमला करने के बाद आत्महत्या करने की कोशिश : इस बीच बाश्कोर्तोस्तान की आधिकारिक समाचार एजेंसी बाशइंफार्म ने बताया कि गिरफ्तारी का विरोध करते हुए हमलावर ने दो पुलिस अधिकारियों और हास्टल के गार्ड को भी घायल कर दिया। हमलावर किशोर ने आत्महत्या करने की कोशिश की और गंभीर स्थिति में अस्पताल में भर्ती है।

गंभीर लापरवाही का मामला दर्ज : बश्कोर्तोस्तान के अभियोजक कार्यालय और संघीय जांच समिति की स्थानीय शाखा ने शैक्षणिक संस्थान के अधिकारियों के खिलाफ गंभीर लापरवाही का मामला दर्ज किया है। किशोर अपराध की रोकथाम के लिए संबंधित एजेंसियों के खिलाफ भी मामला दर्ज किया गया है। इस बीच, बश्कोर्तोस्तान के प्रमुख रेडी खबिरोव ने शैक्षणिक संस्थानों की सुरक्षा को कड़ा करने के लिए सख्त कदम उठाए हैं। वह भारतीय दूतावास और पीड़ितों के रिश्तेदारों के साथ संपर्क में हैं। शनिवार को एक चैनल ने दावा किया था कि हमलावर एक प्रतिबंधित नियो-नाजी संगठन एनएस/डब्ल्यूपी नियो-नाजी संगठन से संबंधित है।

रोंगटे खड़े कर देने वाले दुनिया के 5 हवाई अड्डे- जहां लैंडिंग के वक्त पायलट्स की भी थम जाती हैं सांसें

पेरिस/काठमांडु, एजेंसी। हवाई सफर को हम अक्सर आरामदायक और सुरक्षित मानते हैं, लेकिन दुनिया के कुछ कोने ऐसे हैं जहाँ विमान को जमीन पर उतारना किसी जांबाजी से कम नहीं है। द लग्जरी ट्रैवल एक्सपर्ट ने हाल ही में पृथ्वी के 5 सबसे खौफनाक एयरपोर्ट्स की एक लिस्ट जारी की है। इन जगहों पर रनवे इतना छोटा या इलाका इतना दुर्गम है कि छोटी सी चूक का मतलब सीधा मौत से सामना है। आइए जानते हैं उन हवाई अड्डों के बारे में जो अच्छे-भले पायलटों के पसीने छुड़ा देते हैं।

1. नेपाल का लुकला एयरपोर्ट : पहाड़ों के बीच मौत का रनवे : नेपाल में स्थित इस एयरपोर्ट को दुनिया का सबसे डरावना स्टेशन माना जाता है। इसे टेंजिंग-हिलरी एयरपोर्ट भी कहते हैं। इसकी ऊंचाई समुद्र तल से करीब 2,860 मीटर है और रनवे मात्र 527 मीटर का है। सोचिए, रनवे के एक छोर पर विशाल पहाड़ खड़ा है और दूसरे छोर पर हजार फीट गहरी खाई। साल 2025 में ही यहाँ दो बड़े हादसों ने 15 जानें ली हैं। यहाँ विमान उतारने के लिए पायलट को लोहे के जिगर की जरूरत होती है।

2. भूटान का पारो एयरपोर्ट :सिर्फ 50 पायलटों को है इजाजत : हिमालय की गोद में बसा भूटान का यह एयरपोर्ट चारों तरफ 18,000 फीट ऊंचे पहाड़ों से घिरा है। यहाँ की सबसे बड़ी चुनौती यह है कि विमान का ऑटो-पायलट सिस्टम यहाँ काम नहीं करता। पायलट को अपनी आंखों और अनुभव के भरोसे पहाड़ों के बीच से रास्ता बनाकर विमान उतारना पड़ता है। यही वजह है कि पूरी दुनिया में महज 50 पायलट ही ऐसे हैं जिन्हें यहाँ लैंडिंग का अधिकार मिला है।

3. फ्रांस का कूर्शेवेल एयरपोर्ट : बर्फ और खतरनाक ढलान : आल्प्स की पहाड़ियों में स्थित यह एयरपोर्ट स्की लवर्स के लिए है, लेकिन इसका रनवे किसी बुरे सपने जैसा है। सिर्फ 537 मीटर लंबा यह रनवे सीधा न होकर ढलान वाला है। यहाँ न तो रात में उतरने की सुविधा है और न ही खराब मौसम में। सर्दियों में जब यह बर्फ से ढक जाता है, तो विमान फिसलने का खतरा कई गुना बढ़ जाता है।

इस्लामाबाद मस्जिद हमले पर अफगानिस्तान ने किया पलटवार

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान ने इस्लामाबाद में एक मस्जिद पर हुए हमले के संबंध में पाकिस्तान के आरोपों को निराधार करार दिया है और पाकिस्तानी अधिकारियों से उनके आंतरिक सुरक्षा में कमी के लिए जिम्मेदारी स्वीकार करने को कहा है। अफगानिस्तान का यह बयान पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ द्वारा एक्स पर किए गए पोस्ट के बाद आया है, जिसमें उन्होंने हमला के लिए अफगानिस्तान पर निशाना साधा था।

गैर-जिम्मेदाराना तरीके से ठहराया दोषी : अफगानिस्तान के एरियाना न्यूज के अनुसार, अफगानिस्तान के रक्षा मंत्रालय ने अपने बयान में कहा कि आसिफ ने उचित जांच किए बिना ही तुरंत और गैर-जिम्मेदाराना तरीके से हमले के लिए अफगानिस्तान को दोषी ठहराया। इस तरह की घटनाएं पहले भी हुई हैं। ऐसे हमलों को अफगानिस्तान से जोड़ना तर्कहीन और निराधार है।

सीएम को काले झंडे दिखा रहे 17 कांग्रेसियों पर FIR, कार्यकर्ताओं को भेजा जेल

अध्यक्ष बोले-लोकतंत्र हमारा अधिकार बेवजह कार्रवाई हुई

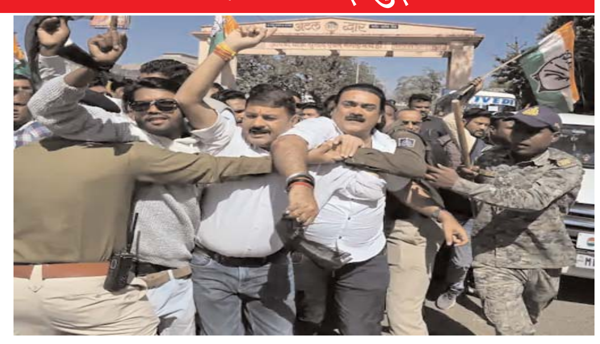

मीडिया ऑडीटर,शहडोल (निप्र)। रविवार को प्रदेश के सीएम डॉ. मोहन यादव एक दिवसीय दौरे पर धनपुरी पहुंचे थे यहां वाटर पार्क के लोकार्पण कार्यक्रम में शामिल होने आए थे कार्यक्रम स्थल से लगभग 200 मीटर पहले कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने काले झंडे दिखाकर विरोध प्रदर्शन किया जिसके कारण सीएम का काफिला कुछ देर के लिए रुक गया था काफिले में तैनात सुरक्षाकर्मी तुरंत वाहनों से उतरे और प्रदर्शनकारियों को हटाने का प्रयास किया हालांकि, प्रदर्शनकारी पीछे हटने को तैयार नहीं थे और उन्होंने 'मुर्दाबाद' के नारे भी लगाए स्थिति को नियंत्रित करने के लिए कलेक्टर ने स्वयं मोर्चा संभाला और सख्ती बरतते हुए प्रदर्शनकारियों को हटाया घटना का वीडियो सोशल पर सामने आया था कलेक्टर गाड़ी से उतरे और कांग्रेस कार्यकर्ताओं को लाठी मारते दिखे बताया जा रहा है कि इससे पहले कांग्रेस की जिला अध्यक्ष अपने लगभग 40 साथियों के साथ बुढार के बीईओ कार्यालय के सामने भी विरोध प्रदर्शन कर रही थीं वहां भी काले झंडे दिखाने की कोशिश की गई थी लेकिन पुलिस ने उन्हें पहले ही हिरासत में ले लिया था इसके बावजूद कार्यक्रम स्थल के पास फिर से विरोध कर काफिला रोकने का प्रयास किया गया 17 कांग्रेस कार्यकर्ताओं के खिलाफ मामला दर्ज बुढार पुलिस ने गोपालपुर तिराहे पर रास्ता रोककर सरकारी काम में बाधा उत्पन्न करने के आरोप में 17 नामजद सहित अन्य कांग्रेस कार्यकर्ताओं के खिलाफ मामला दर्ज किया है। यह कार्रवाई कोतवाली में पदस्थ एक एएसआई की शिकायत पर की गई थाना प्रभारी बुढार विनय सिंह गहरवार ने बताया कि रास्ता रोककर शासकीय कार्य में बाधा डालने पर गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया गया है पुलिस ने रविवार देर शाम तीन कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया इनमें शेख साजिद (26) निवासी सोहागपुर, आशु चौधरी (18) निवासी घरौला मोहल्ला शहडोल और सत्यम प्रजापति (18) निवासी घरौला मोहल्ला शहडोल शामिल हैं इन्हें तहसील न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेजा गया। पुलिस का कहना है कि मामले में अन्य कार्यकर्ताओं की तलाश जारी है और आगे भी कार्रवाई की जाएगी काले झंडे दिखाने के मामले में दर्ज आपराधिक प्रकरण को लेकर जब कांग्रेस जिला अध्यक्ष अजय अवस्थी से चर्चा की गई उन्होंने कहा कि उन्हें अभी इस संबंध में कोई आधिकारिक जानकारी नहीं है यदि वास्तव में कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर आपराधिक मामला दर्ज किया गया है तो यह गलत है उन्होंने कहा कि विरोध लोकतांत्रिक अधिकार है और यदि बेवजह कार्रवाई की गई है तो कांग्रेस इसका विरोध करेगी।

शिक्षकों ने की पुरानी पेंशन और 100' वेतन की मांग, मंत्री और विधायक को दिया ज्ञापन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। आजाद अध्यापक शिक्षक संघ के बैनर तले सोमवार को जिले के शिक्षकों ने अपनी बरसों से लंबित मांगों को लेकर प्रदर्शन किया संघ के प्रतिनिधिमंडल ने प्रदेश की राज्य मंत्री राधा सिंह और सीधी विधायक रीति पाठक से मुलाकात कर उन्हें सीएम के नाम ज्ञापन सौंपा इस दौरान शिक्षकों ने कहा कि उनकी जायज मांगों का जल्द निराकरण नहीं हुआ, तो वे उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगे पुरानी पेंशन योजना' बहाली की मांग शिक्षकों की सबसे प्रमुख मांग 'पुरानी पेंशन योजना' को बहाल करना है ज्ञापन में बताया कि अध्यापक संवर्ग की सेवा अवधि की गणना उनकी प्रथम नियुक्ति तिथि से की जाए ताकि उन्हें अवकाश के बदले नकद भुगतान (लीव एनकैशमेंट) और अन्य लाभ मिल सकें इसके साथ ही शिक्षकों ने दोषपूर्ण 'ई-अटेंडेंस' प्रणाली को बंद करने की भी पुरजोर मांग की है इन 5 बड़ी मांगों पर अड़ा शिक्षक संघ प्रतिनिधिमंडल ने मंत्री और विधायक को बताया कि प्रदेश का शिक्षक संवर्ग लंबे समय से प्रशासनिक उपेक्षा का शिकार है गुरुजी संवर्ग को वरिष्ठता देने और राज्य शिक्षा सेवा में संविलियन से छूटे हुए शिक्षकों के क्रमोन्नति आदेश तत्काल जारी करने की जरूरत है राज्य मंत्री राधा सिंह और विधायक रीति पाठक ने शिक्षकों की मांगों को गंभीरता से सुना और आश्वासन दिया कि वे इन मांगों को सरकार के उच्च स्तर तक पहुंचाकर समाधान का प्रयास करेंगी।

स्कूल में विधिक साक्षरता शिविर, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने दी ट्रैफिक नियम; पॉक्सो और मौलिक अधिकारों की जानकारी

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। बैढ़न स्थित निजी विद्यालय में 9 फरवरी 2026 को विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देश पर यह शिविर आयोजित किया। इसका मुख्य उद्देश्य स्कूली छात्र-छात्राओं को कानून संबंधी बुनियादी जानकारी प्रदान करना था शिविर में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट शिवचरण पटेल ने विद्यार्थियों को नि:शुल्क विधिक सहायता की प्रक्रिया समझाई उन्होंने बताया कि विधिक सेवा प्राधिकरण का मुख्य उद्देश्य समाज के कमजोर और जरूरतमंद वर्गों तक न्याय की पहुंच सुनिश्चित करना है पटेल ने ट्रैफिक नियमों की जानकारी देते हुए सड़क सुरक्षा के महत्व पर भी जोर दिया उन्होंने स्पष्ट किया कि नियमों की अनदेखी से सड़क दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ जाता है कार्यक्रम के दौरान पॉक्सो अधिनियम पर भी विस्तृत चर्चा हुई। इसमें बच्चों को उनके अधिकारों और सुरक्षा से संबंधित कानूनी प्रावधानों के बारे में बताया गया इसके अतिरिक्त, छात्रों को संविधान में निहित मौलिक अधिकारों और मौलिक कर्तव्यों से अवगत कराया गया उन्हें एक जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया गया न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव मनोरम तिवारी ने मोबाइल फोन के अत्यधिक उपयोग से होने वाले दुष्प्रभावों पर प्रकाश डाला उन्होंने छात्रों को बताया कि मोबाइल का अनियंत्रित प्रयोग उनकी पढ़ाई, मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक व्यवहार पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है शिविर के दौरान छात्र-छात्राओं द्वारा पूछे गए कई सवालों के व्यावहारिक उत्तर भी दिए गए इस अवसर पर जिला विधिक सहायता अधिकारी अमित शर्मा, अधिवक्ता योगेश शाह, विद्यालय के शिक्षकगण और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे इस आयोजन को विद्यार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी और ज्ञानवर्धक बताया गया।

नगर निगम कार्यालय में नोट गिनते रिश्वत का आरोप अधिकारी ने बताया- नियमित कार्य है

मीडिया ऑडीटर,सिंगरौली (निप्र)। नगर निगम में पदस्थ राजस्व अधिकारी आरपी वैश्य का एक वीडियो सोमवार को सामने आया है इसमें कार्यालय के भीतर नोट गिनते हुए दिखाई दे रहे हैं जिसके बाद सोशल मीडिया पर यह दावा किया जाने लगा कि राजस्व अधिकारी किसी काम के एवज में पैसे ले रहे हैं आरोपों के बीच राजस्व अधिकारी आरपी वैश्य ने अपनी सफाई पेश की है वैश्य ने बताया कि नगर निगम कार्यालय में प्रतिदिन बड़ी संख्या में नागरिक टैक्स शुल्क और अन्य राजस्व मदों की राशि जमा करने आते हैं इस दौरान अक्सर नकद भुगतान भी किया जाता है। राशि गिनते समय या खुले पैसे लौटाते वक्त नोट गिरना कोई असामान्य बात नहीं है उन्होंने स्पष्ट किया कि वीडियो में दिख रहा दृश्य किसी भी प्रकार से रिश्वत या अवैध लेन-देन से संबंधित नहीं है। यह पूरी तरह से नियमित कार्यालयीन प्रक्रिया का हिस्सा है वैश्य ने बताया कि वीडियो को गलत संदर्भ में प्रस्तुत कर उनकी छवि को नुकसान पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है उन्होंने यह भी कहा कि कार्यालय में जमा होने वाली हर राशि का रिकॉर्ड रजिस्टर में दर्ज होता है।

विधवा पेंशन संग पति से गुजारा भत्ता ले रही पत्नी साठगांठ कर बनवाया झूठा प्रमाणपत्र

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। मध्य प्रदेश के सिंगरौली जिले में अजब-गजब मामला सामने आया है। यहां एक शख्स खुद को जिंदा साबित करने के लिए सरकारी दफ्तरों के चक्कर लगा रहा है क्योंकि कागजों में उसे 'मृत' घोषित कर उसकी पत्नी पिछले 12 साल से विधवा पेंशन ले रही है। वहीं, कोर्ट के आदेश पर शख्स अपनी पत्नी को हर महीने 5 हजार रुपए गुजारा भत्ता भी दे रहा है मामला बैढ़न जनपद के करसोसा गांव का है यहां के रहने वाले चंद्रबली पटेल इन दिनों अपने गले में 'साहब मैं जिंदा हूं' लिखी तख्ती लटकाकर कलेक्टर और एसडीएम कार्यालय के चक्कर काट रहे हैं चंद्रबली पटेल अपने जिंदा होने का सबूत लेकर सरकारी दफ्तरों के चक्कर लगा रहे हैं चंद्रबली पटेल अपने जिंदा होने का सबूत लेकर सरकारी दफ्तरों के चक्कर लगा रहे हैं पहले जेल भिजवाया, फिर बना दिया स्वर्गीय चंद्रबली ने बताया कि उनकी शादी करीब 30 साल पहले अंजोरिया से हुई थी आपसी विवाद के बाद 2014 में दंपती अलग हो गए चंद्रबली ने दूसरी शादी कर ली साल 2014 में अंजोरिया ने दहेज प्रताड़ना का केस दर्ज कराया इसके चलते 2024 में चंद्रबली को जेल जाना पड़ा पति के जेल जाते ही अंजोरिया ने पंचायत स्तर पर साठगांठ कर खुद को विधवा दिखा दिया और पेंशन स्वीकृत करा ली इधर, साल 2018 में कोर्ट ने चंद्रबली को आदेश दिया कि वह पहली पत्नी अंजोरिया को 5 हजार रुपए प्रति महीना गुजारा भत्ता दे, जिसका पालन वह आज भी कर रहा है गुजारा भत्ता देने के लिए जमीन भी बेची चंद्रबली ने जेल से छूटने के लिए जमीन बेचकर 3 लाख 70 हजार रुपए बतौर गुजारा भत्ता जमा किए, लेकिन इसी दौरान उन्हें पता चला कि अंजोरिया विधवा पेंशन भी ले रही है साल 2024 से 2026 तक चंद्रबली ने पंचायत से लेकर कलेक्टर की जनसुनवाई तक हर जगह शिकायत की लेकिन कोई कार्रवाई नहीं होने पर अब गले में साहब मैं जिंदा हूं की तख्ती लटकाकर न्याय की गुहार लगा रहा है बेटा चाहता है कि मां वापस आ जाए चंद्रबली और अंजोरिया की तीन संतानें हैं बड़ा बेटा 20 साल का है, उसके बाद दो बेटियां हैं बेटा राजकमल चाहता है कि उसकी मां वापस आ जाए अगर पिता के साथ नहीं रहना चाहती तो बेटे-बेटियों के साथ ही रहे लेकिन अंजोरिया वापस नहीं लौटना चाहती है चंद्रबली पटेल सरकारी दफ्तरों में कई बार शिकायत कर चुके हैं।

चलती अर्टिगा कार में आग, दो महिलाओं सहित ड्राइवर सुरक्षित; सीएनज किट से आग की आशंका

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। रविवार रात करीब 11 बजे सरावगी पेट्रोल पंप के पास अर्टिगा कार में अचानक आग लग गई देखते ही देखते कार से आग की लपटें उठने लगीं और मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई गनीमत यह रही कि कार में सवार चालक और दो महिलाओं को समय रहते सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया आधे घंटे बाद पहुंची फायर ब्रिगेड, कार जलकर खाक प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सीसीएफ ऑफिस के पास आग लगने की सूचना प्रशासन को दी गई थी फायर ब्रिगेड की टीम लगभग आधे घंटे बाद मौके पर पहुंची तब तक कार पूरी तरह जलकर खाक हो गया इस घटना से क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया था हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई है हालांकि, कार में रखा सारा सामान जलकर राख हो गया फायर ब्रिगेड की टीम पहुंचने से पहले कार पूरी तरह जलकर खाक हो गया फायर ब्रिगेड की टीम पहुंचने से पहले कार पूरी तरह जलकर खाक हो गया अर्टिगा कार में देखते ही देखते कार से आग की लपटें उठने लगीं जानकारी के अनुसार, यह कार एक ट्रैवल्स कंपनी की थी इसमें वरिष्ठ भाजपा नेता मनोज गुप्ता के परिवार के सदस्य सवार थे प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि कार में लगी सीएनजी किट के कारण हुआ हालांकि, आग लगने के वास्तविक कारणों की पुष्टि विस्तृत जांच के बाद ही हो सकेगी इस घटना के बाद क्षेत्र में सीएनजी वाहनों की सुरक्षा को लेकर सवाल उठने लगे हैं स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि आग का कारण सीएनजी किट पाया जाता है तो भविष्य में ऐसे वाहन खरीदने से पहले लोग अधिक सतर्कता बरतेंगे प्रशासन ने मामले की जांच का आश्वासन दिया है।

बाल विवाह रोकथाम एवं महिला सुरक्षा को लेकर पूजा पार्क में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिला कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी के निर्देशन में जिला कार्यक्रम अधिकारी प्रवेश मिश्रा के मार्गदर्शन एवं प्रशासक सरोज खरे के सहयोग से पूजा पार्क में बालिकाओं हेतु जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया कार्यक्रम में बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीतियों के दुष्परिणामों के बारे में जानकारी देते हुए बालिकाओं को समझाइश दी गई कार्यक्रम के दौरान बताया गया कि यदि माता-पिता या कोई भी व्यक्ति 18 वर्ष से कम आयु में जबरन विवाह के लिए प्रेरित करता है साथ ही चाइल्डलाइन 1098 पर भी संपर्क करने की जानकारी दी गई अधिकारियों ने आश्वस्त किया कि सूचना देने वाले व्यक्ति की गोपनीयता पूर्ण रूप से सुरक्षित रखी जाएगी इसके अतिरिक्त घरेलू हिंसा से संबंधित जानकारी तथा वन स्टॉप सेंटर में उपलब्ध परामर्श, संरक्षण एवं अन्य सहायता सेवाओं के बारे में विस्तार से बताया गया कार्यक्रम के अंत में जागरूकता पंपलेट का वितरण भी किया गया।

गरीब आवेदकों के लिए सुगम पहल- जनसुनवाई के बाद नि :शुल्क घर वापसी की अनूठी व्यवस्था

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी की अध्यक्षता में जिले के बस संचालकों के साथ एक महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील बैठक का आयोजन किया गया बैठक में जनसुनवाई में दूरस्थ ग्रामीण अंचलों से आने वाले गरीब एवं जरूरतमंद आवेदकों की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए उनके लिए विशेष सुगम व्यवस्था लागू करने का निर्णय लिया गया कलेक्टर ने बताया कि जिला मुख्यालय में प्रत्येक मंगलवार को आयोजित होने वाली जनसुनवाई में जिले के विभिन्न दूरस्थ क्षेत्रों से बड़ी संख्या में आवेदक अपनी समस्याओं के समाधान हेतु पहुंचते हैं जिनमें कई अति गरीब वर्ग के लोग भी शामिल होते हैं ऐसे जरूरतमंद व्यक्तियों को राहत प्रदान करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा सुगम टोकन जारी करने की पहल की जा रही है इस टोकन के आधार पर जनसुनवाई के पश्चात पात्र व्यक्तियों को नि:शुल्क घर तक पहुंचाने की व्यवस्था बस संचालकों के सहयोग से सुनिश्चित की जाएगी कलेक्टर की इस संवेदनशील पहल की सभी बस संचालकों ने सराहना करते हुए इसे सहर्ष स्वीकार किया तथा प्रशासन के साथ मिलकर जरूरतमंदों की सहायता करने का भरोसा दिलाया।

समय-सीमा बैठक में विभागवार प्रगति की समीक्षा, प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता पर जोर समाधान ऑनलाइन एवं लंबित शिकायतों के प्राथमिकता से निराकरण के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित समय-सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक में कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी ने विभिन्न विभागों की योजनाओं, लंबित प्रकरणों एवं प्रशासनिक कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में विभागवार प्रगति की जानकारी लेते हुए कलेक्टर ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता, समयबद्धता एवं जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं का वास्तविक लाभ आम नागरिकों तक समय पर पहुंचना चाहिए सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों का निराकरण केवल औपचारिकता के तौर पर न किया जाए बल्कि शिकायतकर्ता की संतुष्टि को ध्यान में रखते हुए गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित किया जाए उन्होंने समाधान ऑनलाइन कार्यक्रम में चयनित विषयों से संबंधित शिकायतों तथा 100 दिवस से अधिक समय से लंबित प्रकरणों को प्राथमिकता के आधार पर निराकृत करने के निर्देश दिए कलेक्टर ने कहा कि शिकायतों के निराकरण में अनावश्यक विलंब से प्रशासन की छवि प्रभावित होती है इसलिए सभी अधिकारी नियमित मॉनिटरिंग करते हुए प्रकरणों को समय-सीमा में पूर्ण करें भू-अर्जन से संबंधित प्रकरणों की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने निर्देश दिए कि सभी लंबित मामलों में नियमानुसार समय-सीमा में कार्रवाई पूर्ण की जाए तथा प्रभावित व्यक्तियों को मुआवजा राशि का भुगतान निर्धारित अवधि में सुनिश्चित किया जाए उन्होंने संबंधित निर्माण एजेंसियों की कार्यप्रगति की भी समीक्षा की और अद्यतन जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए कलेक्टर ने स्पष्ट कहा कि भू-अर्जन प्रकरणों में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी लोक सेवा गारंटी अधिनियम के अंतर्गत लंबित एवं समय-सीमा से बाहर हुए प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों पर नियमानुसार जुर्माना अधिरोपित करने के निर्देश दिए उन्होंने कहा कि नागरिकों को समय पर सेवाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

महिला एवं बाल विकास विभाग की योजनाओं की समीक्षा, कुपोषण समाप्ति हेतु विशेष पहल के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी द्वारा महिला एवं बाल विकास विभाग अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित कर विभागीय कार्यों की प्रगति का आंकलन किया गया बैठक में कलेक्टर ने मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, पोषण सुधार तथा कुपोषण उन्मूलन से संबंधित गतिविधियों की विस्तार से समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए कलेक्टर ने जिले में संचालित पोषण पुनर्वास केंद्रों (एनआरसी) की कार्यप्रणाली की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि सभी केंद्रों में फुल ऑक्युपेंसी सुनिश्चित की जाए, ताकि गंभीर रूप से कुपोषित बच्चों को समय पर उपचार एवं पोषण सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकें उन्होंने कहा कि कुपोषण को समाप्त करने के लिए विभाग विशेष रणनीति के साथ कार्य करे तथा ग्राम स्तर तक प्रभावी मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए बैठक में कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि पोषण एवं अन्य योजनाओं से संबंधित डाटा फीडिंग का कार्य 15 फरवरी तक पूर्ण किया जाए जिससे योजनाओं की वास्तविक स्थिति का सही मूल्यांकन हो सके उन्होंने कहा कि समय पर और सही डाटा उपलब्ध होने से योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता एवं प्रभावशीलता बढ़ेगी कलेक्टर ने आगामी माह में सभी सीडीपीओ को अपने-अपने क्षेत्र में किए जा रहे नवाचारों उपलब्धियों एवं कार्य के दौरान आने वाली कठिनाइयों का प्रस्तुतीकरण तैयार कर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

डील के कई विरोधाभास

संपादकीय

अमरीका से कृषि उत्पाद भारत में आएंगे और गेहूं, ज्वार, जौ, बाजरा, ओट्स, चावल, मक्का आदि बाजार में नहीं आएंगे। डेयरी क्षेत्र में भी अमरीका भारत के बाजार में प्रवेश करेगा, लेकिन हमारे किसान, उद्यमी और एमएसएमई सुरक्षित और संरक्षित रहेंगे। ऐसा आश्वासन प्रधानमंत्री मोदी ने भी दिया है। व्यापार समझौते का जो मसविदा, ढांचा सामने आया है, बेशक वह अंतरिम है, लेकिन कई विरोधाभासों वाला है। गेहूं, चावल, मक्का, सोयाबीन, पॉल्ट्री, मीट, केला, स्ट्राबेरी, चेरी, हरा मटर, मूंग, काबुली चना, तेल के बीज, तंबाकू, इथनॉल और डेयरी उत्पादों पर अमरीका हमें कोई छूट और रियायत नहीं देगा। भारत के वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल दावा कर रहे हैं कि दूध, क्रीम, छाछ, मक्खन, घी, बटर ऑयल, पनीर आदि डेयरी उत्पाद अमरीका से भारत में नहीं आएंगे। मसाले भी नहीं आएंगे, लेकिन समझौते के मसविदे, ढांचे में कहीं भी उल्लेख नहीं है कि दूध, जीएस गेहूं एवं मक्का, सोयाबीन आदि उत्पाद अमरीका भारत में नहीं भेजेगा। समझौते में कई गंभीर विरोधाभास हैं। अर्थात अमरीका हमारे कृषि और डेयरी क्षेत्रों में भी अपना कारोबार करेगा। क्या भारतीय किसान अमरीकी किसानों की प्रतिस्पर्द्धा में टिक सकेंगे? अमरीकी किसानों की लागत भारतीय किसानों की तुलना में बहुत कम है, क्योंकि उन्हें अरबों की सबसिडी दी जाती है, जबकि भारतीय सबसिडी 'ऊंट के मुंह में जीरा' समान है। क्या एसबीआई की रपट बिल्कुल सही, सटीक साबित होगी और भारतीय किसानों, पशुपालकों को 1 लाख करोड़ रुपए से अधिक का नुकसान उठाना पड़ सकता है? बहरहाल मार्च मध्य में जब समझौते का अंतिम मसविदा सार्वजनिक होगा और जिस पर दोनों देशों के प्रतिनिधि हस्ताक्षर करेंगे, तब तक कुछ और संशोधन किए जा सकते हैं, लेकिन मोटे तौर पर व्यापार समझौते की शर्तें तय हो चुकी हैं। लिहाजा सबसे संवेदनशील सवाल यह है कि क्या अमरीका को उन क्षेत्रों में घुसने की अनुमति दे दी गई है, जिन पर भारत सरकार साफ इंकार करती रही है? एक बार अमरीकी उत्पादों का भारत में सैलाब आएगा, तो फिर वह रुकने वाला नहीं है? क्या भारत सरकार अमरीकी कृषि और डेयरी उत्पादों पर इतना टैरिफ लगा सकती है कि वे भारतीय बाजार में, हमारे किसानों के साथ, प्रतिस्पर्द्धा करने में पिछड़ जाएं? समझौते के मसविदे से तो ऐसा बिल्कुल भी नहीं लगता। बहरहाल अभी तो हमें प्रधानमंत्री मोदी और वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल के बयानों और दावों पर भरोसा करना चाहिए। रूस के कच्चे तेल से जुड़ी अमरीका की चेतावनी भी बेहद गंभीर है। सवाल है कि भारत किस देश से, कितना तेल-गैस आदि, खरीदता है, इस संप्रभु निर्णय में अमरीका का दखल क्यों होना चाहिए?

पोषण सुरक्षा और टिकाऊ कृषि का प्रभावी साधन हैं दालें

योगेश कुमार गोयल

(विश्व दलहन दिवस (10 फरवरी) पर विशेष)

हर साल 10 फरवरी को मनाया जाने वाला 'विश्व दलहन दिवस' हमें यह सोचने का अवसर देता है कि जिन दालों को हम रोजमर्रा के भोजन का साधारण हिस्सा मान लेते हैं, वे वास्तव में मानव सभ्यता और प्रकृति के बीच संतुलन की एक गहरी कड़ी हैं। खेतों से लेकर थाली तक की यह यात्रा केवल भोजन भर की नहीं है बल्कि इसमें पोषण, पर्यावरण, कृषि और भविष्य की खाद्य सुरक्षा के सूत्र छिपे हैं। वर्ष 2026 की आधिकारिक थीम 'विश्व की दलहन- सादगी से उत्कृष्टता की ओर' इसी सच्चाई को रेखांकित करती है कि छोटे से दिखने वाले बीज किस तरह वैश्विक समाधान बनकर उभर रहे हैं। यह दिवस खाद्य एवं कृषि संगठन के नेतृत्व में विश्वभर में मनाया जाता है। दिसंबर 2018 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा इस दिवस की घोषणा के बाद से 2019 से यह निरंतर मनाया जा रहा है। इसकी प्रेरणा 2016 में मनाए गए अंतर्राष्ट्रीय दलहन वर्ष से मिली थी, जिसने पहली बार वैश्विक मंच पर यह स्पष्ट किया कि दालें केवल पारंपरिक भोजन नहीं, पोषण सुरक्षा और टिकाऊ कृषि का प्रभावी साधन हैं।

दलहन, यानी फलीदार पौधों से प्राप्त सूखे और खाने योग्य बीज, सदियों से मानव आहार का आधार रहे हैं। एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका में ये भोजन की रीढ़ रहे जबकि आधुनिक समय तक कुछ क्षेत्रों में इन्हें साधारण या कम मूल्य वाला भोजन समझा गया लेकिन पोषण विज्ञान ने इस धारणा को पूरी तरह बदल दिया है। आज यह स्वीकार किया जा चुका है कि दालें उच्च गुणवत्ता वाले पौध-आधारित प्रोटीन का उत्कृष्ट स्रोत हैं। इनके साथ मिलने वाला आहार फाइबर पाचन को बेहतर बनाता है, रक्त शर्करा को नियंत्रित करता है और हृदय रोगों के जोखिम को कम करता है। आयरन, जिंक, फोलेट, मैग्नीशियम और बी-विटामिन्स जैसे सूक्ष्म पोषक तत्व इन्हें हर आयु वर्ग के लिए उपयोगी बनाते हैं। कम वसा और कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स के कारण ये आधुनिक जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों के विरुद्ध प्राकृतिक सुरक्षा प्रदान करती हैं।

पर्यावरण की दृष्टि से दालों का महत्व और भी व्यापक है। इनमें मिट्टी में वायुमंडलीय नाइट्रोजन को स्थिर करने की प्राकृतिक क्षमता होती है, जिससे खेतों की उर्वरता बढ़ती है और रासायनिक उर्वरकों की आवश्यकता कम होती है। अन्य फसलों की तुलना में इन्हें कम पानी की जरूरत पड़ती है और इनका कार्बन फुटप्रिंट भी कम होता है। यही कारण है कि बदलते जलवायु परिदृश्य में दलहन को जलवायु-अनुकूल और भविष्य की फसल माना जा रहा है। सीमित संसाधनों और अनिश्चित मौसम के दौर में ये फसलें किसानों और पर्यावरण दोनों के लिए भरोसेमंद विकल्प बनती जा रही हैं। वैश्विक खाद्य सुरक्षा के संदर्भ में भी दलहन की भूमिका निर्णायक है। तेजी से बढ़ती आबादी, कुपोषण और जलवायु अस्थिरता के बीच दालें सस्ती, सुलभ और पोषण से भरपूर समाधान प्रस्तुत करती हैं। भूखमुक्त समाज, बेहतर स्वास्थ्य और टिकाऊ विकास जैसे वैश्विक लक्ष्यों को हासिल करने में इनका योगदान प्रत्यक्ष और प्रभावी है। भारत में विश्व दलहन दिवस का महत्व केवल एक वैश्विक तिथि तक सीमित नहीं रहता बल्कि यह देश की कृषि परंपरा, पोषण दृष्टि और सांस्कृतिक चेतना से गहराई से जुड़ जाता है। भारत न केवल विश्व के प्रमुख दलहन उत्पादक और उपभोक्ताओं में अग्रणी है बल्कि यहां की खाद्य संस्कृति में दाल को संतुलित आहार की आत्मा माना गया है। दाल-चावल, दाल-रोटी और खिचड़ी जैसे सरल, सुलभ और पौष्टिक भोजन सदियों से भारतीय समाज में स्वास्थ्य, सादगी और सहजीवन के प्रतीक रहे हैं। दलहन केवल थाली की शोभा नहीं बल्कि पोषण सुरक्षा की मजबूत आधारशिला हैं। इनमें प्रचुर मात्रा में प्रोटीन, फाइबर, खनिज और सूक्ष्म पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो कुपोषण से लड़ने और स्वास्थ्य सुधारने में निर्णायक भूमिका निभाते हैं। विशेषकर शाकाहारी आबादी के लिए दालें सस्ती, टिकाऊ और भरोसेमंद प्रोटीन स्रोत हैं। कुल मिलाकर, यह दिवस किसानों के लिए भी नई संभावनाओं का द्वार खोलता है।

केन्द्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा वर्ष 2026-27 के लिए संसद में पेश किया गया गया बजट देश के त्वरित विकास को समर्पित कल्याणकारी बजट है। इस बजट में समाहित प्रस्तावों में आर्थिक विकास की गति को बढ़ाने और उसे निरन्तर बनाये रखने पर जोर दिया गया है। साथ ही, लोककल्याण के लिए बजट प्रस्तावों पर भी पर्याप्त बल दिया गया है। वित्तमंत्री ने अपने बजट भाषण में तीन कर्तव्यों को उजागर किया। ये हैं अस्थिर वैश्विक परिस्थितियों के प्रति लचीलेपन में वृद्धि करते हुए आर्थिक विकास को गति प्रदान करना और उसे बनाये रखना; (ii) जन आकाँक्षाओं की पूर्ति और उनकी क्षमताओं का वर्द्धन करना एवं (iii) देश के प्रत्येक परिवार, समुदाय, क्षेत्र और वर्ग तक संसाधनों, सुविधाओं तथा अवसरों की पहुंच को सुनिश्चित करना। इस तरह ये कर्तव्य मोदी सरकार की सर्वसमावेशी एवं पोषणीय विकास की रणनीति को सुस्पष्ट रूप में परिभाषित करते हैं।

त्वरित विकास को समर्पित कल्याणकारी केन्द्रीय बजट

डॉ. महेन्द्र सिंह

ध्यातव्य है कि मोदी सरकार की आर्थिक नीतियों के केन्द्र में एक ओर आर्थिक संवृद्धि की गति को तेज करना रहा है वहीं दूसरी तरफ सापेक्षतया वंचित लोगों एवं क्षेत्रों को उन?की क्षमता व सामर्थ्य को बढ़ाते हुए उन्हें विकास की मुख्यधारा में शामिल करना रहा है। इस दृष्टि से यह कहना समीचीन है कि सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास एवं सबका प्रयास का ध्येय वाक्य लोकनीतियों के प्रतिपादन एवं कार्यान्वयन का नाभिकेन्द्र रहा है। इसमें आर्थिक समृद्धि एवं लोककल्याण में वृद्धि स्वतः विहित रहे हैं।

मोदी सरकार द्वारा संरचनात्मक आर्थिक सुधारों का मूल विचार रिफार्म, परफार्म व ट्रॉन्सफार्म रहा है। इस बजट में भी, बजट प्रावधानों को अधिक परिणामोन्मुखी बनाने के लिए सुधारों के क्रम को जारी रखा गया है। विकसित भारत के महालक्ष्य को प्राप्त करने के लिए इस बजट में कृषि व ग्रामीण अर्थव्यवस्था, मैन्यूफैक्चरिंग क्षेत्र, एमएसएमई, ओडीओपी, रिन्यूबल व न्यूक्लियर एनर्जी, सेमिकंडक्टर, आर्टिफिशियल इन्टेलिजेन्स, जलमार्ग व रेल विकास, डिकार्बनाइजेशन, निर्यात संवर्द्धन, रक्षा क्षेत्र इत्यादि संभावनापूर्ण क्षेत्रों एवं तत्सम्बन्धी क्रियाओं के संवर्द्धन व विकास के लिए वित्तमंत्री द्वारा प्राथमिकता के आधार पर अपेक्षित आवंटन किए गये हैं। साथ ही, मानव पूँजी के निर्माण से सम्बन्धित क्षेत्रों यथा शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला, युवा और दिव्यांग सशक्तिकरण पर पर्याप्त बल दिया गया है। वस्तुतः, मानव पूँजी के बेहतर विकास से राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी तथा जनकल्याण में वृद्धि होगी।

वित्तमंत्री ने इस बजट में राजकोषीय सुदृढ़ीकरण को जारी रखते हुए इस पर विशेष बल दिया है। हाल के वर्षों में जीडीपी के सापेक्ष राजकोषीय घाटा में निरन्तर गिरावट से इस बात की पुष्टि होती है कि मोदी सरकार का राजकोषीय प्रबन्धन सम्बन्धी निष्पादन श्लाघनीय रहा है। वर्ष 2021-22 में राजकोषीय घाटा जीडीपी का 6.7 प्रतिशत; 2022-24 में 6.5 प्रतिशत 2023-24 में 5.5 प्रतिशत; 2024-25 में 4.8 प्रतिशत एवं 2025-26 में 4.4 प्रतिशत था। इसे 2026-27 के बजट में कम करके 4.3 प्रतिशत पर रख गया है। ये प्रवृत्तियाँ राजकोषीय व्यवस्था की मजबूती की परिचायक हैं।

मोदी सरकार की राजकोषीय प्रवीणता एवं बेहतर वित्तीय प्रबंधन का ही परिणाम है कि जीडीपी के सापेक्ष राजकोषीय घाटा निरन्तर घटा है। साथ ही, वित्तमंत्री इस बात में भी सफल रही हैं कि उन्होंने इस बजट में जीडीपी के सापेक्ष केन्द्र सरकार के ऋण को 55.6 प्रतिशत पर रखा है। यह वर्ष 2025-26 के लिए 56.1 प्रतिशत रखा गया था। साथ ही, इस बजट में जीडीपी के सापेक्ष राजस्व घाटा एवं प्राथमिक घाटा में भी कमी आई है। घटते घाटे एवं ऋण से निजी पूँजी निवेश में वृद्धि होगी। इस बजट में, राजस्व में सतत वृद्धि; पूँजीगत व्यय में वृद्धि और राजकोषीय पारदर्शिता में सुधार के संकेतकों से भी देश की राजकोषीय सुदृढ़ता की पुष्टि होती है। पूँजीगत खर्च के जरिये अवस्थापना क्षेत्र के विकास ने विकास को तेज करने और रोजगार को बढ़ाने में उल्लेखनीय तौर पर योगदान दिया है। इंफ्रास्ट्रक्चर आर्थिक विकास में धमनियों का कार्य करता है। इसलिए यह कहने में कोई संकोच नहीं होना चाहिए कि इन्फ्रास्ट्रक्चर पर मोदी सरकार द्वारा किया गया निवेश लगातार विकास का इंजन बना हुआ है। एक ओर जहाँ केन्द्र सरकार स्वयं पूंजीगत व्यय को बढ़ा रही है; वहीं दूसरी ओर राज्य सरकारों को भी अनुदान व ऋण देकर उनके पूँजीगत खर्च को बढ़ाने में मदद कर रही है। वर्ष 2025-26 की तुलना में 2026-27 के बजट में पूँजीगत आवंटन में 11.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यदि राज्यों को दी जाने वाली अनुदान राशि को भी जोड़ लिया जाय तब प्रभावी पूँजीगत व्यय की वृद्धि 22 प्रतिशत बैठती है। इस तरह मोदी सरकार की यह विचारणा सुस्पष्ट होती है कि इन्फ्रास्ट्रक्चर की मजबूती आर्थिक उन्नति का मूलाधार है। इस बजट में कुछ विशिष्ट क्षेत्रों क्षेत्रों में पूँजीगत व्यय की वृद्धि दरें इस तरह हैं- टेलीकॉम 97 प्रतिशत; रक्षा 18 प्रतिशत; रेलवे 10 प्रतिशत; सड़क व हाईवे 8 प्रतिशत एवं आवास व नगरीय विकास 6 प्रतिशत। यह तथ्य यह भी दर्शाते हैं कि बेहतर राजकोषीय प्रबन्धन से अब विकासगामी क्रियाओं के लिए अधिक वित्तीय संसाधन उपलब्ध हो रहे हैं।

जीडीपी के सापेक्ष सरकारी ऋण भार को घटाकर 2030-31 तक 50 प्रतिशत पर लाने का लक्ष्य रखा गया है। स्पष्ट है कि इससे आगामी वर्षों में अवस्थापना के विकास के लिए और अधिक फिस्कल स्पेस मिल सकेगा। उल्लेखनीय है कि पूँजीगत व्यय में मोदी सरकार द्वारा की गई वृद्धि से आय में तो कई गुना वृद्धि होती ही है, इससे रोजगार में भी उल्लेखनीय तौर पर वृद्धि होती है। इस बजट में छोटे, मझोले एवं धार्मिक नगरों के विकास के लिए भी प्रावधान किए गये हैं। नगरीय क्षेत्रों में जन सुविधाओं के बेहतर विकास से जनजीवन सुगम व स्वस्थ होगा। साथ ही, इसके विकास से कारोबार सुगम होगा, इसमें वृद्धि होगी। धार्मिक व साँस्कृतिक स्थलों के उन्नयन से पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा तथा देश-विदेश से पर्यटकों की आवाजाही से आर्थिकी सशक्त होगी। इस बजट में हास्पिटेलिटी तथा हेल्थ टूरिज्म से भी लोगों की आजीविका के स्रोतों में वृद्धि, रेल एवं जलमार्गों के विकास एवं अपग्रेडेशन से लाजिस्टिक्स की लागतें घटेंगी। इससे व्यापार में वृद्धि तो होगी ही, साथ ही आपूर्ति श्रृंखला को मजबूती मिलेगी और अर्थव्यवस्था की स्पर्धात्मकता में वृद्धि से निर्यात-प्रेरित निवेश होगा।

इस बात का उल्लेख करना अत्यंत महत्वपूर्ण है कि इस बजट में अवस्थापना क्षेत्र के विकास के लिए 12.20 लाख करोड़ रुपये आवंटित किये गये हैं। यह एक बड़ी धन?राशि है। इससे विकास की गति को तेज करने तथा रोजगार को बढ़ाने में महती सहायता मिलेगी। इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन 2.0 के अन्तर्गत इस बजट में 40 हजार करोड़ रुपये रखे गये हैं। इसके अतिरिक्त जिन 7 रोजगारपरक क्षेत्रों को समावेशित किया गया है वे हैं- बायो फार्मा, सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रानिक्स कंपोनेन्टस, रेयर अर्थ, रसायन, पूँजीगत वस्तएँ और टेक्सटाइल्स। इनसे मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र की संवृद्धि बढ़ेगी। वस्तुतः, ये अर्थव्यवस्था के उदीयमान क्षेत्र हैं और इनमें उत्पादन, रोज?गार व निर्यात की प्रचुर संभावनाएं हैं। इसके अलावा बजट में लघु एवं मध्यम उद्योगों को चैंपियन बनाने के निर्णय से भी इस क्षेत्र का विकास तेज होगा। आत्मनिर्भरता एवं स्वदेशी के लक्ष्यों को प्राप्त करने में एमएसएमई, ओडीओपी तथा खादी क्षेत्र की भूमिका महती स्थान रखती है। रक्षा व्यय में वृद्धि; विशेष तौर पर पूँजीगत व्यय में वृद्धि से भी रक्षा मामले में हमारी आत्म-निर्भरता बढ़ेगी और रक्षा सामग्री का निर्यात बढ़ेगा। कृषि एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए इस बजट में जो प्रावधान किये गये हैं उनसे कृषि एवं गैर-कृषि क्रियाओं के पारस्परिक आर्थिक सम्बन्धों को ताकत मिलेगी। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के प्रयोग से कृषि उत्पादकता बढ़ेगी। कृषि के वाणिज्यीकरण को बढ़ावा मिलेगा। किसानों की आय में वृद्धि होगी। किसानों, युवाओं एवं महिलाओं को उद्यमी बनाने का परिणाम होगा कि स्थानीय स्तर पर आजीविका के स्रोतों का विस्तार होगा। इससे गाँवों से नगरों को होने वाला पलायन भी रुकेगा। पशु चिकित्सा के लिए बजट में की गयी व्यवस्था से पशुधन में संवर्द्धन होगा। इससे गो आधारित प्राकृतिक कृषि के विस्तार में भी सहायता मिलेगी। इस बजट को यदि समग्र रूप से देखें तो यही निष्कर्ष निकलता है कि यह बजट भारत की घरेलू क्षमता का समुचित उपयोग करते हुए त्वरित आर्थिक विकास एवं लोककल्याण में वृद्धि को समर्पित है।

(लेखक-भाजपा मध्यप्रदेश के प्रदेश प्रभारी व उत्तर प्रदेश विधान परिषद सदस्य एवं पूर्व मंत्री हैं।)

जब मार्टिन लूथर किंग जूनियर ने गांधीजी के पदचिन्हों पर चलना शुरू किया

मार्टिन लूथर किंग जूनियर 15 जनवरी,1929 -- 04 अप्रैल, 1968 भारत में तीर्थ यात्रा -10 फरवरी से 10 मार्च, 1959 मेरा एक सपना है भाषण के लिए प्रसिद्ध, नागरिक अधिकारों का पक्षधर, बैपटिस्ट पादरी, अहिंसा में विश्वास रखने वाला तीस वर्ष का एक अमरीकी नागरिक अपनी पत्नी के साथ सत्य, अहिंसा के पुजारी महात्मा गांधी के देश में उन स्थानों, कार्यों को देखने के लिए पधारे, जो गांधीजी से संबंधित रहे। अपनी इस यात्रा को उस महापुरुष ने तीर्थ यात्रा का नाम दिया।

रमेश चंद शर्मा

(10 फरवरी यात्रा की 67वीं वर्षगांठ पर विशेष)

केन्द्रीय गांधी स्मारक निधि द्वारा निमंत्रित यह व्यक्ति और कोई नहीं स्वयं रंगभेद, असमानता के विरुद्ध अमेरिका में अहिंसक आंदोलन चलाने वाले मार्टिन लूथर किंग जूनियर थे, जो अपनी पत्नी श्रीमती कोरेटा स्कॉट किंग के साथ भारत आए थे। 10 फरवरी से 10 मार्च, 1959 तक यह यात्रा हुई। दिल्ली से शुरू कर बिहार, बंगाल, तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक, महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान, उत्तर प्रदेश होते हुए फिर दिल्ली।

श्रीमती सुचेता कृपलानी, उपाध्यक्ष एवं जी रामचंद्रन, मंत्री, गांधी स्मारक निधि ने हवाई अड्डा पर मेहमानों का स्वागत किया।

तीर्थ यात्रा की समाप्ति पर बहुत ही भावनात्मक ढंग से विदाई से पूर्व मार्टिन लूथर किंग जूनियर ने दिल्ली में यह संदेश दिया, जो आज भी बेहद प्रासंगिक है।

भारत की हमारी बहुत ही छोटी तीर्थयात्रा दुख की बात है कि खत्म हो गई है।

मैं सभी को धन्यवाद देना चाहता हूँ

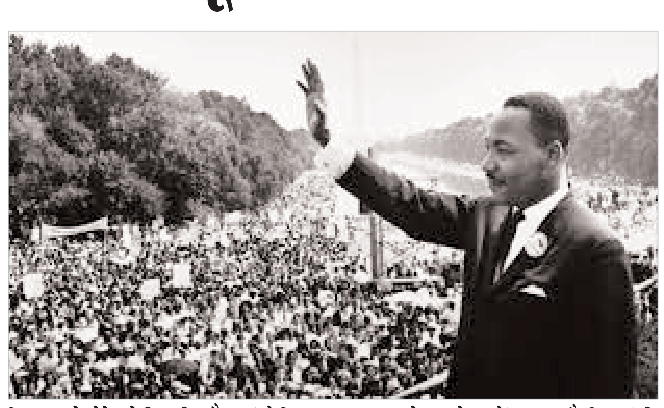

कि आपने मेरे, मेरी पत्नी और डॉ. रेडिक के लिए अपने दरवाजे और दिल खोले। सरकार के अंदर और बाहर के नेताओं, संगठनों --- खासकर गांधी स्मारक निधि और क्वैकर सेंटर --- और कई घरों और परिवारों ने हमारे छोटे से प्रवास को सुखद और ज्ञानवर्धक बनाने के लिए अपनी पूरी कोशिशें की है।

हमने इस यात्रा से बहुत कुछ सीखा है। हम इतने नासमझ नहीं हैं कि यह मान लें कि हम भारत को जानते हैं --- यह एक विशाल उपमहाद्वीप है, जिसमें इसके सभी लोग, समस्याएँ, विरोधाभास और उपलब्धियाँ हैं। हालाँकि, क्योंकि हमसे हमारे विचारों के बारे में पूछा गया है, इसलिए हम एक या दो सामान्य बातें कहना चाहेंगे-

सबसे पहले, हमें लगता है कि गांधी की भावना आज कुछ लोगों के विश्वास से कहीं ज़्यादा मजबूत है। न केवल उनके साथियों और सहयोगियों का सीधा और अप्रत्यक्ष प्रभाव है, बल्कि महात्मा के पत्रों और अन्य लेखों, तस्वीरों, स्मारकों, गांधी स्मारक निधि के काम और संत विनोबा भावे के नेतृत्व वाले आंदोलन को संरक्षित करने के लिए संगठित प्रयास भी किए जा रहे हैं। ये कुछ उदाहरण हैं कि जिनसे गांधीजी भारत के लोगों के दिलों में हमेशा के लिए बसे रहेंगे।

इसके अलावा, कई सरकारी अधिकारी जो गांधी का अक्षरशः पालन नहीं करते, वे भी उनकी भावना को घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय समस्याओं पर लागू करते है।

दूसरा, मैं भारत के लोगों और सरकार से एक अपील करना चाहता हूँ। विश्व शांति का मुद्दा इतना महत्वपूर्ण है कि मुझे एक सुझाव देने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है, जो विनोबाजी के साथ हमारी बातचीत के दौरान मेरे मन में आया।

दुनिया के शांतिप्रिय लोग अभी तक मेरे अपने देश, अमेरिका और सोवियत रूस को डर खत्म करने और खुद को निशस्त्र करने के लिए मनाने में सफल नहीं हुए हैं। दुर्भाग्य से, अभी तक अमेरिका और सोवियत संघ ने ऐसा करने के लिए विश्वास और नैतिक साहस नहीं दिखाया है। विनोबाजी ने कहा है कि भारत या कोई भी अन्य राष्ट्र जिसके पास विश्वास और नैतिक साहस है, वह कल ही, यहाँ तक कि एकतरफा भी, खुद को निशस्त्र कर सकता है।

हो सकता है कि जिस तरह भारत को नेतृत्व करना पड़ा और दुनिया को दिखाना पड़ा कि राष्ट्रीय स्वतंत्रता अहिंसक तरीके से हासिल की जा सकती है, उसी तरह भारत को नेतृत्व करना पड़े और सार्वभौमिक निरस्त्रीकरण का आह्वान करना पड़े और अगर कोई अन्य राष्ट्र तुरंत उसके साथ शामिल नहीं होता है, तो भारत को एकतरफा रूप से खुद को निरस्त्रीकरण के लिए घोषित कर देना चाहिए।

साहस का ऐसा कार्य महात्मा की भावना का एक बड़ा प्रदर्शन होगा और यह बाकी दुनिया को भी ऐसा करने के लिए सबसे बड़ा प्रोत्साहन होगा। इसके अलावा, जो भी देश ऐसा साहसी कदम उठाएगा, वह अपने आप ही दुनिया के लोगों का समर्थन हासिल कर लेगा, जिससे कोई भी हमलावर इंसानियत के गुस्से को मोल लेने का जोखिम उठाने से हतोत्साहित होगा।

यह संदेश आज भी देश और दुनिया के लिए बहुत ही प्रासंगिक एवं जरुरी है। इस संदेश में आज की समस्याओं, कठिनाइयों, हिंसा, शस्त्रों की होड़ में डूबी दुनिया के लिए एक महत्वपूर्ण रास्ता, राहत नजर आती है।

इस यात्रा के दौरान उनकी मुलाकात अनेक प्रमुख लोगों से हुई। जिनमें सर्वोदय नेता संत बाबा विनोबा भावे, जयप्रकाश नारायण, राष्ट्रपति डॉ राजेन्द्र प्रसाद , उपराष्ट्रपति सर्वपल्ली राधाकृष्णन, प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू, राजाजी राजगोपालचारी, दादा जे बी कृपलानी, डॉ जाकिर हुसैन, काका कालेलकर, यू एन ढेबर, मोरारजी देसाई, राजकुमारी अमृत कौर, डॉ सुशीला नैयर, प्यारे लाल नैयर, डॉ आर आर दिवाकर, जी रामचंद्रन, चीनी चिंतक प्रो तान युन शान, निर्मल कुमार बोस, डॉ सौन्द्रम रामचंद्रन, नंबूदरी पाद, शांति लाल शाह, पूर्व राजदूत जी एल मेहता आदि शामिल रहे।

दिल्ली में प्रैस कांफ्रेंस, राजघाट पर प्रार्थना, श्रद्धा-सुमन, मुगल गार्डन को देखना, क्वेकर केन्द्र एवं विभिन्न विशिष्ट लोगों से मुलाकात, स्वागत-सत्कार में भोज, चर्चा, बातचीत के साथ-साथ सप्रू हाउस में जनसभा, सर्वोदय कार्यकर्ताओं से बातचीत तथा रामजस कॉलेज में छात्रों के मध्य कार्यक्रम हुए।

पटना में राज्यपाल, मुख्यमंत्री से चम्पारण सत्याग्रह पर चर्चा। विश्वविद्यालय में छात्रों के मध्य कार्यक्रम। बौद्ध गया में बुद्ध विहार, बोधि वृक्ष का दर्शन, मुलाकात, विनोबा भावे द्वारा स्थापित समन्वय आश्रम में कार्यक्रम हुए। जयप्रकाश नारायण जी के सोखोदेवरा आश्रम में सादगी एवं ग्राम जीवन का अनुभव, विचार-विमर्श। गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर के विश्व भारती का सांस्कृतिक विरासत का दर्शन। शांति निकेतन में चीनी चिंतक से मुलाकात। कलकत्ता के प्रवास में मजदूर नेताओं से बातचीत का मौका मिला।

मोर गांव मोर पानी अभियान से 45 परिवारों की जिंदगी में आया बड़ा बदलाव

जल संरक्षण की पहल से पांच एकड़ से अधिक भूमि में लहलहाई खेती

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की दूरदर्शी पहल मोर गांव मोर पानी अभियान आज गांवों में जल आत्मनिर्भरता की नई कहानी लिख रहा है इसी अभियान के अंतर्गत जनपद पंचायत क्षेत्र के ग्राम मुख्तियारपारा में वर्षों से उपेक्षित एक अनुपयोगी स्टापडेम को नया जीवन मिला है बहते पानी को सहेजने की इस सामूहिक कोशिश ने न सिर्फ जल संकट दूर किया बल्कि खेती, पशुपालन और ग्रामीण जीवन को नई दिशा दे दी ग्राम मुख्तियार पारा में कई वर्ष पूर्व एक स्थानीय नाले पर निर्मित स्टापडेम समय के साथ जर्जर हो चुका था गाद जमाव के कारण इसकी जल धारण क्षमता लगभग समाप्त हो गई थी। सर्दियों के बाद नाले का प्रवाह कम होते ही ग्रामीणों को दैनिक उपयोग तक के लिए पानी नहीं मिल पाता था खेतों की सिंचाई तो दूर, पशुओं के लिए भी जल का संकट बना रहता था ग्राम सभा से निकली समाधान की राह गत वित्तीय वर्ष में आयोजित ग्राम सभा में मोर गांव मोर पानी अभियान पर चर्चा हुई ग्रामीणों ने एकजुट होकर खराब पड़े स्टापडेम के पुनरुद्धार का प्रस्ताव रखा सामुदायिक जलभराव क्षेत्र निर्माण एवं भूमि सुधार कार्य को सर्वसम्मति से स्वीकृति मिली महात्मा गांधी नरेगा के अंतर्गत लगभग 4.95 लाख रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई और ग्राम पंचायत मुख्तियार पारा को निर्माण एजेंसी बनाया गया तकनीकी निगरानी में यह कार्य समय-सीमा के भीतर सफलतापूर्वक पूर्ण हुआ जल से समृद्ध हुआ गांव का भविष्य सिल्ट हटने और भूमि सुधार कार्य के बाद स्टापडेम में जल का ठहराव पहले की तुलना में कहीं अधिक हो गया है इसका सीधा लाभ ग्राम सलका और सिरौली के लगभग 45 परिवारों को मिल रहा है आज यहां घरेलू उपयोग, पशुपालन और निस्तार के लिए भरपूर जल उपलब्ध है आसपास के जलस्तर में भी उल्लेखनीय सुधार हुआ है इस जलसंचय के कारण 8 से 10 परिवारों ने रबी फसल के साथ-साथ सब्जी उत्पादन भी शुरू कर दिया है और पांच एकड़ से अधिक कृषि भूमि सिंचित हो चुकी है यह कहानी बताती है कि जब सरकार की योजना, ग्राम सभा की सहभागिता और श्रमशक्ति एक साथ आती है, तो अनुपयोगी संरचनाएं भी समृद्धि का आधार बन जाती हैं।

माँ महामाया मंदिर परिसर बनेगा सामाजिक समरसता का साक्षी, 189 बेटियों का होगा सम्मानपूर्वक विवाह

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 में जिला स्तर पर प्रस्तावित सामूहिक विवाह कार्यक्रम का आयोजन 10 फरवरी 2026 को भव्य एवं गरिमामयी रूप से किया जाएगा इस योजना के अंतर्गत जिले की विभिन्न परियोजनाओं से कुल 189 जोड़ों के आवेदन प्राप्त हुए हैं इनमें से 56, भरतपुर से 60, खड़गवां से 54 तथा चिरमिरी से 19 जोड शामिल हैं यह आयोजन शासन की उस संवेदनशील और कल्याणकारी सोच को दर्शाता है जिसके माध्यम से आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की बेटियों का विवाह सम्मानपूर्वक एवं सामाजिक समरसता के साथ संपन्न कराया जा रहा है महिला एवं बाल विकास विभाग के तत्वावधान में यह भव्य सामूहिक विवाह सम्मेलन माँ महामाया मंदिर प्रांगण, चनवारीडांड, खड़गवां में आयोजित किया जाएगा धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व से जुड़े इस स्थल पर 189 जोड़ों का विधिवत वैवाहिक संस्कार संपन्न होगा, जो सामाजिक एकता और समरसता का जीवंत उदाहरण बनेगा इस ऐतिहासिक आयोजन के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ शासन के कैबिनेट मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल होंगे कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथियों के रूप में ज्योत्सना महंत एवं रेणुका सिंह की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी जिससे आयोजन की भव्यता और बढ़ेगी कार्यक्रम में जिले के अनेक जनप्रतिनिधि भी शामिल होंगे इनमें राम नरेश राय महापौर नगर पालिक निगम चिरमिरी यशवंती सिंह, अध्यक्ष जिला पंचायत प्रतिमा यादव, नगर पालिका अध्यक्ष जानका बाई कुसरो, अध्यक्ष जनपद पंचायत श्याम बाई कुसरो, अध्यक्ष जनपद पंचायत ललिता रामा यादव, अध्यक्ष नगर पंचायत सरपंच खड़गवां सहित जिला, जनपद पंचायत एवं नगर निकायों के अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित रहेंगे।

रेलवे का टिकट चेकिंग अभियान, 22 यात्री पकड़ाए: 7,875 रुपए जुर्माना वसूला

मीडिया ऑडीटर, ग्वालियर (निप्र)। ग्वालियर में रेलवे ने विशेष टिकट जांच अभियान चलाते हुए बिना टिकट और अनियमित यात्रा करने वाले 22 यात्रियों को पकड़ा है रेलवे ने इन यात्रियों से धूम्रपान करने, गंदगी फैलाने और नियमों का उल्लंघन करने के आरोप में 7,875 रुपए का जुर्माना वसूला है यह कार्रवाई वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अमन वर्मा के निर्देश पर सहायक वाणिज्य प्रबंधक आरके वर्मा के नेतृत्व में की गई अभियान के दौरान गाड़ी संख्या 21125 और 64636 मेमू सहित विभिन्न ट्रेनों में सघन जांच की गई अचानक शुरू हुई कार्रवाई से ट्रेनों में हड़कंप मच गया और कुछ यात्रियों ने भागने का भी प्रयास किया अफसर बोले-नियमित कार्रवाई होगी जांच के दौरान कई यात्री बिना टिकट यात्रा करते, अनियमित यात्रा करते, बिना बुकिंग अधिक सामान ले जाते, ट्रेन में गंदगी फैलाते और धूम्रपान करते हुए पाए गए सभी दोषी यात्रियों से मौके पर ही जुर्माना वसूला गया रेलवे को लंबे समय से ग्वालियर की मेमू ट्रेन सहित अन्य ट्रेनों में बड़ी संख्या में लोगों के बिना टिकट यात्रा करने की शिकायत मिल रही थी झांसी रेल मंडल को सूचना मिलने के बाद यह विशेष अभियान चलाया गया रेलवे अधिकारियों ने बताया कि नियमों के पालन के लिए भविष्य में भी इस तरह की कार्रवाई जारी रहेगी।

जर्नी ऑफ़ सैनिटेशन हाइजीन 'जोश' से बदली संस्थागत की तस्वीर एक माह में स्वच्छता को नई दिशा, उपयोगिता बढ़ी और युवाओं को मिला रोजगार

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले में स्वच्छता को बढ़ावा देने और स्थानीय युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ शासन द्वारा शुरू की गई अनूठी पहल जर्नी ऑफ सैनिटेशन हाइजीन - जोश ने मात्र एक माह में ही सकारात्मक और प्रभावशाली परिणाम देना शुरू कर दिया है। 5 जनवरी 2026 से प्रारंभ इस अभियान का संचालन कलेक्टर डी. राहुल वेंकट के निर्देशन एवं जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी अंकिता सोम के मार्गदर्शन में किया जा रहा है पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू किए गए इस अभियान का मुख्य उद्देश्य संस्थागत परिसरों में स्वच्छता की स्थिति को बेहतर बनाना, नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित करना तथा स्वच्छता के क्षेत्र में युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना है अभियान के अंतर्गत अब तक जिले की इनमें आंगनवाड़ी केंद्र, आयुष्मान आरोग्य मंदिर, शासकीय विद्यालय एवं छात्रावास शामिल हैं इस पहल के चलते संस्थागत परिसरों में स्वच्छता की स्थिति में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला है पहले जहां शौचालयों के रखरखाव को लेकर समस्याएं सामने आती थीं वहीं अब नियमित सफाई के कारण उनकी उपयोगिता भी बढ़ी है स्वच्छ और सुरक्षित शौचालय उपलब्ध होने से बच्चों, महिलाओं एवं आम नागरिकों को सुविधा मिली है, साथ ही संस्थानों में स्वच्छ वातावरण का निर्माण हुआ है 'जोश' अभियान ने केवल साफ-सफाई तक ही खुद को सीमित नहीं रखा, बल्कि इसके माध्यम से स्वच्छता के प्रति जनजागरूकता भी बढ़ी है संस्थानों के कर्मचारी, शिक्षक, छात्र एवं आम नागरिक स्वच्छता के महत्व को समझते हुए अभियान में सक्रिय भागीदारी निभा रहे हैं इससे यह स्पष्ट है कि यह पहल व्यवहार परिवर्तन की दिशा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है अभियान का एक प्रमुख उद्देश्य युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ना है जिसमें यह सफल होता नजर आ रहा है अभियान के तहत स्थानीय युवाओं को 'जोश स्वच्छता प्रहरी के रूप में प्रशिक्षित कर कार्य से जोड़ा गया है इन युवाओं के माध्यम से न केवल संस्थागत शौचालयों की सफाई की जा रही है बल्कि व्यक्तिगत शौचालयों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की साफ-सफाई की सेवाएं भी उपलब्ध कराई जा रही हैं अब तक इस अभियान के माध्यम से लगभग 13 हजार रुपये की अतिरिक्त आय यूजर चार्ज के रूप में सृजित की जा चुकी है इससे युवाओं को नियमित आय का स्रोत मिला है ।

आवासीय विद्यालयों में कक्षा छठवीं के प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन की तिथि बढ़ाई गई

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। राज्य में संचालित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए कक्षा छठवीं में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ा दी गई है आयुक्त आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग, नवा रायपुर द्वारा जारी की गई सूचना के अनुसार, प्रदेश में संचालित 75 एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों में प्रवेश के लिए अभ्यर्थी अब अधिक समय तक आवेदन कर सकेंगे पहले ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 7 फरवरी 2026 निर्धारित की गई थी जिसे अब बढ़ाकर 11 फरवरी 2026 कर दिया गया है इसके अलावा ऑनलाइन आवेदन में यदि कोई त्रुटि होती है तो उसे सुधारने के लिए दी गई अवधि भी संशोधित की गई है अब अभ्यर्थी 12 फरवरी से 14 फरवरी 2026 तक अपने आवेदन में सुधार कर सकते हैं आवेदन की प्रक्रिया पूरी तरह से ऑनलाइन होगी और पोर्टल के माध्यम से आवेदन जमा किए जाएंगे यह पोर्टल आवेदनकर्ताओं के लिए आवेदन प्रक्रिया को सरल और सुलभ बनाने के लिए डिजाइन किया गया है आवेदन से संबंधित सभी जानकारी पोर्टल पर उपलब्ध है और इच्छुक अभ्यर्थी इस पोर्टल पर जाकर आवेदन कर सकते हैं प्रवेश परीक्षा की तिथि में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है परीक्षा पहले से निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 1 मार्च 2026 रविवार को प्रातः 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक आयोजित की जाएगी विभाग ने अभ्यर्थियों और उनके अभिभावकों से अपील की है कि वे बढ़ी हुई तिथि का लाभ उठाते हुए समय पर ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया पूरी करें और किसी भी प्रकार की समस्या के लिए विभाग से संपर्क करें।

शासकीय हाई स्कूल कंजिया में बहुउद्देशीय स्वास्थ्य जागरूकता शिविर, छात्रों को मिला समग्र स्वास्थ्य का संदेश

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। स्वास्थ्य विभाग जनकपुर के तत्वावधान में विगत 06 फरवरी 2026 को शासकीय हाई स्कूल कंजिया में एक प्रभावशाली एवं बहुउद्देशीय स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया इस शिविर का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों को शारीरिक, मानसिक एवं नेत्र स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना रहा, जिसमें बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने सहभागिता की मानसिक स्वास्थ्य, आयुष एवं नेत्र सुरक्षा पर विशेष फोकस कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को मानसिक स्वास्थ्य के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी गई तथा तनाव प्रबंधन, सकारात्मक सोच और स्वस्थ दिनचर्या अपनाने के व्यावहारिक उपाय बताए गए आयुष चिकित्सा के अंतर्गत जीवनशैली सुधार, प्राकृतिक उपचार पद्धतियों और रोगों से बचाव के सरल तरीकों पर प्रकाश डाला गया वहीं बाल नेत्र सुरक्षा के तहत बच्चों की आंखों की जांच की गई और डिजिटल उपकरणों के अत्यधिक उपयोग से होने वाले दुष्प्रभावों से बचाव के सुझाव दिए गए विशेषज्ञों की सहभागिता से कार्यक्रम को मिली मजबूती इस स्वास्थ्य शिविर को सफल बनाने में स्वास्थ्य विभाग की टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. आर. रमन के मार्गदर्शन में कार्यक्रम का प्रभावी संचालन किया गया आयुष मेडिकल ऑफिसर डॉ. शिवपाल सिंह ने विद्यार्थियों को आयुष एवं प्राकृतिक चिकित्सा के लाभों से अवगत कराया विकास खंड कार्यक्रम प्रबंधक सुलेमान खान ने आयोजन एवं प्रबंधन में सक्रिय सहभागिता निभाई नेत्र सहायक अधिकारी आर. एस. चेचाम द्वारा विद्यार्थियों की आंखों की सूक्ष्म जांच कर आवश्यक परामर्श दिया गया ग्रामीण बच्चों के स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता की सशक्त पहल कार्यक्रम को लेकर स्कूल के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों में विशेष उत्साह देखने को मिला सभी ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे बच्चों के समग्र विकास की दिशा में एक सराहनीय कदम बताया यह आयोजन न केवल स्वास्थ्य जांच तक सीमित रहा बल्कि विद्यार्थियों में स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की प्रेरणा देने में भी सफल सिद्ध हुआ।

शिवपुरी की बैराड़ मंडी में सरसों खरीदी पर विवाद

नमी को लेकर किसानों का हंगामा, पुलिस की समझाइश के बाद तय भाव पर खरीदी

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। जिले की बैराड़ अनाज मंडी में सरसों की फसल खरीदी को लेकर किसानों और व्यापारियों के बीच विवाद हो गया। यह विवाद सरसों में नमी की मात्रा को लेकर शुरू हुआ, जिसके बाद किसानों ने मंडी में हंगामा किया। पुलिस की समझाइश के बाद मामला शांत हुआ।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, किसान अपनी सरसों की फसल लेकर मंडी पहुंचे थे। डाक प्रक्रिया के बाद फसल का भाव भी तय हो गया था। हालांकि, तुलाई के समय दो किसानों की सरसों में अधिक नमी पाई गई। इस पर व्यापारी ने तय भाव पर खरीद करने से इनकार कर दिया।

व्यापारी का तर्क था कि ट्रॉली के ऊपरी हिस्से में सूखी फसल थी, जबकि निचले हिस्से में नमी वाली सरसों भरी थी। डाक ऊपरी सूखी फसल को देखकर लगाई गई थी। वहीं, किसानों ने अपनी फसल को डाक में तय भाव पर ही खरीदे जाने की मांग की।

विवाद बढ़ने पर थाना प्रभारी सुरेश शर्मा मौके पर पहुंचे। उन्होंने व्यापारियों को फसल की पूरी जांच के बाद ही खरीदी करने की सलाह दी। साथ ही, किसानों को भी अपनी ट्रॉली में एक समान गुणवत्ता वाली फसल लाने की समझाइश दी।

इस समझाइश और समझौते के बाद व्यापारी तय भाव पर फसल खरीदने को तैयार हो गए। इसके उपरांत मंडी का माहौल शांत हो गया और खरीदी सुचारु रूप से जारी रही।

भाजपा नेता ने युवक के मुंह-छाती पर मारी लात

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। घटना रविवार शाम को एक ढाबे की बताई जा रही है आरोपी भाजपा नेता ने युवक को जमीन पर पटककर पिटाई की घटना रविवार शाम को एक ढाबे की बताई जा रही है आरोपी भाजपा नेता ने युवक को जमीन पर पटककर पिटाई की अशोकनगर जिले के चंदेरी क्षेत्र के बड़ेरा गांव में एक भाजपा नेता ने युवक की पिटाई कर दी नेता गांव का सरपंच भी है। उसनेमारपीट का वीडियो भी सामने आया है वीडियो में आरोपी बली सिंह लोधी गांव के ही बृजकिशोर यादव (34) को जमीन पर पटककर लात-घूंसों से पीटते दिखाई दे रहा है। पीड़ित ने चंदेरी थाने में शिकायत दर्ज कराई है।

जल जीवन मिशन की हुई जमीनी परीक्षा अधिकारियों के सघन निरीक्षण में उजागर हुई जल क्रांति की असली तस्वीर

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले के विकासखंड में जल जीवन मिशन के अंतर्गत चल रहे बहुप्रतीक्षित पेयजल कार्यों की हकीकत गुरुवार को जमीन पर देखने को मिली। विगत 06 फरवरी 2026 को लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा संचालित LAI MVS, खरलाधर MVS तथा ग्राम पंचायत मोहनटोला और काशी टोला में प्रगतिरत कार्यों का वरिष्ठ अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर सघन निरीक्षण किया इस दौरान योजनाओं की वास्तविक प्रगति, गुणवत्ता और तकनीकी पक्षों को बारीकी से परखा गया ठेकेदारों की समीक्षा बैठक, कार्यों में तेजी के निर्देश निरीक्षण के उपरांत LAI MVS अंतर्गत सम्मिलित ग्रामों के संबंधित ठेकेदारों के साथ जल जीवन मिशन कार्यों की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई बैठक में कार्यों की धीमी प्रगति, तकनीकी चुनौतियों और गुणवत्ता मानकों पर गहन चर्चा करते हुए अधिकारियों ने स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी और निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण करना अनिवार्य होगा वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में गुणवत्ता और तकनीकी मानकों की जांच इस निरीक्षण दल में अधीक्षक अभियंता एस.एन. पांडे, कार्यपालन अभियंता आकाश पोद्दार, उप अभियंता मनमोहन सिंह, जिला परियोजना समन्वयक (मॉनिटरिंग) अनिमेष कुमार तिवारी एवं जिला परियोजना समन्वयक (टेक्निकल) ज्ञानेंद्र कुमार साहू उपस्थित रहे अधिकारियों ने पाइप लाइन, रचनात्मक कार्यों और तकनीकी व्यवस्थाओं की गहन समीक्षा करते हुए कार्यस्थलों पर आवश्यक सुधार के निर्देश भी दिए हर घर तक शुद्ध और सुरक्षित जल पहुंचाने का लक्ष्य दोहराया निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने स्पष्ट रूप से कहा कि जल जीवन मिशन का मूल उद्देश्य प्रत्येक घर तक निरंतर, सुरक्षित एवं शुद्ध पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित करना है इसके लिए गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा अधिकारियों की इस सक्रियता से क्षेत्र में चल रहे जल जीवन मिशन कार्यों को नई गति मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

शाह बोले- बस्तर की पहचान बारूद नहीं संस्कृति है समय में नक्सलवाद खत्म होगा

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। लालबाग मैदान में आयोजित बस्तर पंडुम के समापन समारोह में अमित शाह शामिल हुए लालबाग मैदान में आयोजित बस्तर पंडुम के समापन समारोह में अमित शाह शामिल हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि बस्तर की पहचान बारूद से नहीं, बल्कि उसकी समृद्ध संस्कृति से है उन्होंने कहा कि नक्सलवाद का तेजी से सफाया हो रहा है और सरेंडर करने वाले नक्सलियों को कोई आंच नहीं आएगी लेकिन स्कूल और अस्पताल जलाने वालों को बख्शा नहीं जाएगा तय समय में नक्सलवाद खत्म होगा शाह ने भरोसा दिलाया कि बस्तर को प्रदेश का सबसे विकसित संभाग बनाया जाएगा उन्होंने ये बातें जगदलपुर के लालबाग मैदान में आयोजित बस्तर पंडुम के मंच से कही इससे पहले स्वागत के दौरान उन्हें कौड़ी की माला और पारंपरिक पगड़ी पहनाई गई अमित शाह को कौड़ी की माला और पगड़ी पहनाई गई अमित शाह को कौड़ी की माला और पगड़ी पहनाई गई बस्तर की संस्कृति और बस्तर पंडुम अमित शाह ने कहा कि बस्तर की पहचान बारूद नहीं, बल्कि उसकी समृद्ध संस्कृति और कला है बस्तर पंडुम पहले 7 विधाओं तक सीमित था, लेकिन अब 5 नई विधाएं जुड़ने से यह 12 विधाओं का उत्सव बन गया है उन्होंने कहा कि बस्तर की कला और संस्कृति विश्व में अद्वितीय है, जिसे प्रभु श्रीराम के समय से संजोकर रखा गया है आयोजन में करीब 55 हजार लोगों ने भाग लिया, जिसमें दंतेवाड़ा से सबसे अधिक सहभागिता रही और अबूझमाड़िया, माड़िया व मुरिया जनजातियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

अपहरण कर युवक से लूट के चार आरोपी गिरफ्तार

मारपीट कर ऑटो में बैठकर ले गए थे साथ, पुलिस ने जुलूस निकालकर सिखाया सबक

मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। सागर की गोपालगंज थाना पुलिस ने अपहरण कर युवक के साथ लूट की वारदात करने वाले चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में एक नाबालिग शामिल है। पूछताछ में उनके कब्जे से लूटी गई सोने की अंगूठी और वारदात में उपयोग किया ऑटो जब्त किया गया है। मामले में पुलिस ने आरोपियों का थाना क्षेत्र में जुलूस निकाला। लोगों को अपराध से दूर रहने का संदेश दिया गया। पुलिस के अनुसार, 6 फरवरी को फरियादी दीपक राय निवासी तिरुपतिपुरम ने थाने में शिकायत की थी। शिकायत में बताया कि वह एसबीआई कियोस्क सेंटर के पास अपनी बाइक लेकर खड़ा था। इसी दौरान आरोपी धीरज कोरी, अमन अहिरवार, विवेक जैन और एक नाबालिग

इलेक्ट्रॉनिक ऑटो से मौके पर आए। उन्होंने पुरानी रंजिश के चलते गालीगलौज शुरू कर दी। गाली देने से मना किया तो धीरज ने उसकी पीठ पर चाकू अड़ाया और जबरन ऑटो में बैठा लिया। जिसके बाद आरोपी ऑटो को लेकर शहर में घूमते रहे। रास्ते में फरियादी के साथ मारपीट की गई। वह बाघराज वार्ड क्षेत्र के सुनसान इलाके में ले गए। जहां पर चाकू की दमकर दोबारा मारपीट की। अंगूली में पहनी अंगूठी छीन ली। फरियादी जैसे-तैसे मौके से भागा और घर पहुंचा। परिवार को घटना की जानकारी दी। परिवार के साथ गोपालगंज थाने पहुंचकर शिकायत की। शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू की।

जुलूस के रूप में कोर्ट लेकर पहुंची पुलिस : वारदात सामने आते ही आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमें गठित कर लगाई गईं। टीमों ने अलग-अलग स्थानों पर दबिश दी। कार्रवाई करते हुए रविवार को आरोपी धीरज पिता महेश कोरी उम्र 34 वर्ष, अमन पिता अच्छेलाल अहिरवार उम्र 22 वर्ष, विवेक पिता वीरेंद्र जैन उम्र 23 वर्ष और नाबालिग को गिरफ्तार किया। थाने लाकर पूछताछ की गई। पूछताछ में आरोपियों के कब्जे से लूटी गई सोनी की अंगूठी बरामद की गई। इसके साथ ही वारदात में उपयोग किया गया इलेक्ट्रॉनिक ऑटो, चाकू और डंडा जब्त किया गया है। पूछताछ के बाद पुलिस ने आरोपियों को जुलूस निकाला।

मुख्य आरोपी आदतन अपराधी है : गोपालगंज थाना प्रभारी घनश्याम शर्मा ने बताया कि अपहरण और लूट के मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया। अपचारी बालक को किशोर न्यायालय में पेश किया गया है। मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है। गिरफ्तार आरोपी धीरज आदतन अपराधी है। उसके खिलाफ पूर्व से कई अपराध दर्ज हैं।

सीहोर में नरवाई जलाने पर लगेगा जुर्माना

कलेक्टर बालागुरू ने सख्ती से नियम पालन के दिए निर्देश अधिकारियों से कहा निगरानी रखें

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। सीहोर में कलेक्टर बालागुरू के. की अध्यक्षता में जिला पंचायत सभाकक्ष में टीएल बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर ने नरवाई जलाने की घटनाओं पर सख्ती से रोक लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि नरवाई जलाने वालों पर नियमों के अनुसार जुर्माना लगाया जाएगा। कलेक्टर ने बताया कि नरवाई जलाने से पर्यावरण को गंभीर नुकसान होता है। इससे वायु प्रदूषण बढ़ता है और मिट्टी की उर्वरता भी कम होती है। नरवाई जलाने की रोकथाम के लिए कृषि, उद्यानिकी, राजस्व तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों की संयुक्त ड्यूटी लगाने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि लगातार निगरानी रखी जा सके और समय पर कार्रवाई हो सके।

सीएम हेल्पलाइन की लंबित शिकायतों की समीक्षा : बैठक में कलेक्टर ने सभी विभागों के समय-सीमा वाले प्रकरणों और सीएम हेल्पलाइन में लंबित शिकायतों की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी प्रकरणों का तय समय-सीमा में संतोषजनक निराकरण किया जाए। कलेक्टर बालागुरू के. ने 'संकल्प से समाधान' अभियान के तहत 15 फरवरी से क्लस्टर स्तर पर आयोजित होने वाले शिविरों के लिए कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिविरों में स्थानीय जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित किया जाए और अधिक से अधिक नागरिकों की समस्याओं का समाधान किया जाए। अधिकारियों को अभियान में तेजी लाने के निर्देश भी दिए गए। इसके अलावा, कलेक्टर ने प्रधानमंत्री श्रम मानधन योजना का लाभ सभी पात्र श्रमिकों तक पहुंचाने के निर्देश दिए। उन्होंने जनपद सीईओ और नगरीय निकायों के सीएमओ को समग्र ई-केवाईसी, आयुष्मान भारत योजना के तहत कार्ड निर्माण तथा प्रसूता महिलाओं को डीबीटी लाभ देने के लिए ई-केवाईसी के विशेष शिविर आयोजित करने को कहा। कलेक्टर ने वित्तीय वर्ष की समाप्ति को ध्यान में रखते हुए सभी विभागों को आवंटित बजट का समय पर और सही तरीके से उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

छतरपुर में पुलिस चौकी में घुसा बेकाबू ट्रैक्टर

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर जिले के बड़ामलहरा अनुभाग के भगवा थाना क्षेत्र में देर रात एक तेज रफ्तार मैसी ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पुलिस चौकी परिसर में घुस गया। यहां ट्रैक्टर परिसर में लगे आंवले के पेड़ से जा टकराया। हादसे में ट्रैक्टर चालक की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान धरमपुरा निवासी कलू उर्फ रघुवीर यादव के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, रघुवीर देर रात थ्रेसर लगे ट्रैक्टर से धरमपुरा से घुवारा की ओर जा रहा था। इसी दौरान ट्रैक्टर का संतुलन बिगड़ा और वह सीधे पुलिस चौकी परिसर में जा घुसा। पेड़ से टकराने के बाद चालक ट्रैक्टर के पहिये के नीचे दब गया, जिससे उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। चौकी में कोई पुलिसकर्मी नहीं था।

रायसेन में गेहूं पंजीयन का पोर्टल ठप:फसल नहीं दिखने से पहले दिन नहीं हुआ एक भी रजिस्ट्रेशन

मीडिया ऑडीटर, रायसेन (निप्र)। रायसेन जिले में रबी विपणन वर्ष 2026-27 के लिए समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन हेतु किसान पंजीयन 7 फरवरी से शुरू हो गए हैं। हालांकि, तकनीकी खामी के चलते पहले दिन से ही पोर्टल पर फसल प्रदर्शित नहीं हो रही है। इस कारण पहले दिन जिले में एक भी किसान का पंजीयन नहीं हो पाया। रायसेन जिला मुख्यालय की समिति पर दो किसान पंजीयन कराने पहुंचे थे, लेकिन फसल शो न होने के कारण वे बैरंग लौट गए। पंजीयन की अंतिम तिथि 7 मार्च निर्धारित की गई है।

जिले में गेहूं उपार्जन के लिए कुल 117 पंजीयन केंद्र स्वीकृत किए गए हैं। किसान एमपी ऑनलाइन कियोस्क, कॉमन सर्विस सेंटर कियोस्क, लोक सेवा केंद्र, निजी साइबर कैफे और सहकारी समिति केंद्रों पर पंजीयन करा सकते हैं।

50 रुपए से ज्यादा फीस नहीं : निजी केंद्रों पर पंजीयन शुल्क के संबंध में कलेक्टर द्वारा निर्देश जारी किए जाएंगे। इसमें प्रति पंजीयन 50 रुपये से अधिक शुल्क नहीं लिया जाएगा। पंजीयन के लिए किसानों को भूमि संबंधी दस्तावेज, आधार कार्ड और अन्य फोटो पहचान-पत्रों का रिकॉर्ड रखना अनिवार्य होगा।

सिकमी और बटाईदारों के लिए नियम : सिकमी, बटाईदार, कोटवार और वन पट्टाधारी किसानों के लिए पंजीयन की सुविधा केवल सहकारी समिति और सहकारी विपणन संस्था द्वारा संचालित केंद्रों पर ही मिलेगी। इस श्रेणी के शत-प्रतिशत किसानों का सत्यापन राजस्व विभाग द्वारा किया जाएगा। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि पूर्व वर्षों में किसी अपात्र संस्था में कार्यरत केंद्र प्रभारी और ऑपरेटर को इस बार किसी अन्य संस्था में पंजीयन कार्य के लिए नियुक्त नहीं किया जाएगा।

दूल्हे की घोड़ी कुएं में गिरी, कूदकर बचाई जान ढोल-डीजे के शोर से घबराकर बेकाबू हुई

मीडिया ऑडीटर, खंडवा (निप्र)। खंडवा जिले के ग्राम फतेहपुर में रविवार को एक शादी के दौरान बड़ा हादसा होते-होते बचा। ढोल और डीजे के शोर से घबराई घोड़ी अचानक बेकाबू हो गई और पास ही स्थित खुले कुएं में जा गिरी। गनीमत रही कि दूल्हे ने समय रहते घोड़ी से छलांग लगा दी और उसकी जान बच गई। जानकारी के मुताबिक रविवार को छैगांवमाखन क्षेत्र के ग्राम आवल्या विठ्ठल से बारात फतेहपुर पहुंची थी। दूल्हे को घोड़ी पर बैठाकर बारात गांव में प्रवेश कर रही थी। बाराती ढोल और डीजे के गानों पर नाचते-गाते आगे बढ़ रहे थे। इसी दौरान अचानक घोड़ी घबरा गई।

दूल्हे ने सूझबूझ दिखाई, फौरन कूदा : देखते ही देखते घोड़ी का संतुलन बिगड़ गया और वह पास में स्थित खुले कुएं में जा गिरी। पूरा घटनाक्रम इतनी तेजी से हुआ कि लोगों को संभलने का मौका नहीं मिला। घोड़ी के बेकाबू होते ही दूल्हे ने सूझबूझ दिखाई

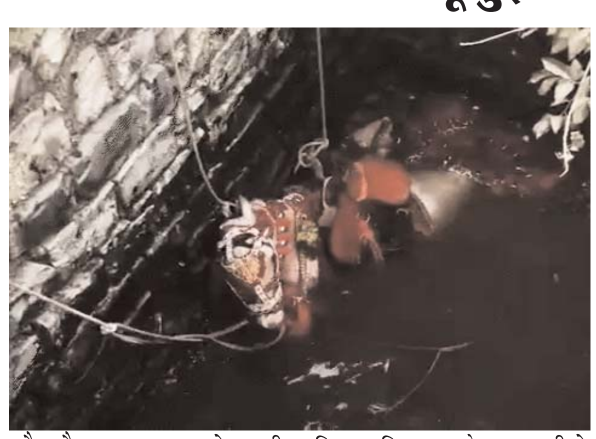

और फौरन कूद गया। इससे उसकी जान बच गई और बड़ा हादसा टल गया।

ग्रामीण कुएं की ओर दौड़े, घोड़ी को निकाला : घटना के बाद बारात में अफरा-तफरी मच गई। बाराती और आसपास के ग्रामीण तुरंत कुएं की ओर दौड़े। कुएं में पानी भरा होने के कारण घोड़ी की जान को खतरा था। लोग उसे बचाने में जुट गए। काफी कोशिशों के बाद ग्रामीणों ने मिलकर घोड़ी को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। इसके बाद सभी ने राहत की सांस ली। ग्रामीणों ने बताया कि यह कुआं गांव से लगी कोटवार की सरकारी जमीन पर है और लंबे समय से खुला हुआ है। दो साल पहले इसी कुएं में बैल गिर चुका है बताया जा रहा है कि करीब दो साल पहले इसी कुएं में एक बैल गिर चुका है। पिछले साल कोंडावद हादसे के बाद भी ग्रामीणों ने प्रशासन को इस बारे में जानकारी दी थी, लेकिन अब तक सेफ्टी को लेकर ध्यान नहीं दिया।

निवेश के लिए दी जमीन से माफिया निकाल रहे मिट्टी

औद्योगिक क्षेत्र के फेस-टू में अवैध उत्खनन जारी, कार्रवाई नहीं होने से बढ़ा हौसला

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम के मोहासा औद्योगिक क्षेत्र में सरकार जहां निवेश बढ़ाने और रोजगार के लिए दूसरे राज्यों के उद्योगपतियों को सस्ती जमीन दे रही है, वहीं उसी जमीन से मिट्टी का अवैध उत्खनन धड़ल्ले से किया जा रहा है। माफिया खुलेआम खुदाई कर मिट्टी का परिवहन कर रहे हैं, लेकिन जिम्मेदार विभागों के अधिकारियों को इसकी भनक तक नहीं है।

फेस-टू में चल रहा काम: सूत्रों के मुताबिक अवैध उत्खनन औद्योगिक क्षेत्र के फेस-टू में हो रहा है। यहां कंपनियों को प्लांट लगाने के लिए जमीन आवंटित की जानी है। आरोप है कि प्लॉट विकसित होने से पहले ही माफिया जमीन को खोखला कर रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि मिट्टी चोरी करने वालों पर सख्त कार्रवाई नहीं होने से उनका हौसला बढ़ गया है। यही वजह है कि उत्खनन रुकने का नाम नहीं ले रहा।

पहले भी सामने आ चुका मामला: मोहासा औद्योगिक क्षेत्र में अवैध उत्खनन

का यह पहला मामला नहीं है। करीब डेढ़ महीने पहले फेस-वन के प्लॉट नंबर 18 से बड़े पैमाने पर मिट्टी चोरी का मामला सामने आया था। तब माफिया करीब 12 हजार 683 घनमीटर मिट्टी, यानी एक हजार से ज्यादा डंपर भरकर ले गए थे। सूत्रों का दावा है कि यह मिट्टी औद्योगिक क्षेत्र में ही स्थापित और निर्माणाधीन कुछ बड़ी कंपनियों में डाली गई।

मामला उजागर होने पर खुली नींद: जब यह मामला मीडिया में सामने आया, तब प्रशासन हरकत में आया। जिला खनिज अधिकारी, एसडीएम, नायब तहसीलदार और पटवारी मौके पर पहुंचे और खुदाई वाली जगह की नपती कराई। नपती में अवैध उत्खनन की पुष्टि तो हुई, लेकिन पंचनामे में यह स्पष्ट नहीं किया गया कि मिट्टी किसने खोदी, कहां ले जाई गई और उसका उपयोग कहां हुआ।

दूसरी बार बनाना पड़ा पंचनामा: इसके बाद संयुक्त टीम को दोबारा मौके पर पहुंचकर नया पंचनामा तैयार करना पड़ा। बाद में खनिज विभाग ने देरी से अवैध उत्खनन का प्रकरण बनाकर अपर कलेक्टर के पास भेजा। ग्रामीणों का कहना है कि फेस-टू में जमीनों की रजिस्ट्री का काम जारी है और आगे प्लॉट काटे जाने हैं। इससे पहले ही बिजली ग्रिड के आसपास बिना अनुमति मिट्टी खोदकर ले जाई जा रही है।

अफसरों के बयान: एमपीआईडीसी के कार्यकारी निदेशक महेंद्र वर्मा ने कहा कि उन्हें अवैध उत्खनन की जानकारी नहीं है। वे स्टाफ को भेजकर मौके की जांच करवाएंगे। वहीं तहसीलदार महेंद्र चौहान ने बताया कि वे चौरागढ़ मेले में ड्यूटी पर हैं, जांच के लिए आरआई और पटवारी को भेजा जाएगा। जिला खनिज अधिकारी देवेश मरकाम से संपर्क नहीं हो सका।

12वीं की छात्रा ने कीटनाशक पीकर जान दी

मीडिया ऑडीटर, पिपरिया (निप्र)। सिरसिरी गांव की 18 वर्षीय छात्रा शीतल ने कीटनाशक पी लिया। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। वह 12वीं की छात्रा थी। घटना शनिवार रात की है। शीतल ने मिर्ची में छिड़काव के लिए रखी कीटनाशक दवा पी ली। परिजन उसे रात 11 बजे शासकीय अस्पताल पिपरिया लाए। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। शीतल के पिता गुड्डन कहार ने बताया वह पढ़ाई में बहुत अच्छी थी। उसने कीटनाशक क्यों पिया, इसका कारण समझ नहीं आ रहा। पिछले साल उनके बेटे की बीमारी से मौत हो गई थी। घटना की जानकारी रोहित कहार ने स्टेशन रोड थाने में दी।

सागर में रिवॉल्वर बेचने आए 3 युवक गिरफ्तार:गिरवी रखी कार लेकर पहुंचे थे देवरी

मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। सागर जिले की देवरी पुलिस ने रिवॉल्वर के साथ तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। आरोपी एक कार में सवार होकर रिवॉल्वर बेचने के लिए देवरी पहुंचे थे। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर कुसुम विहार कॉलोनी में घेराबंदी कर उन्हें पकड़ा। पूछताछ के बाद पुलिस ने तीनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया है।पुलिस के अनुसार, मुखबिर से सूचना मिली थी कि कुसुम विहार कॉलोनी में एक कार संदिग्ध अवस्था में खड़ी है और उसमें कुछ लोग बैठे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर कार्रवाई के लिए पहुंची। टीम ने घेराबंदी कर कार को रोका। कार में तीन युवक सवार थे, जिन्हें पुलिस ने बाहर आने के लिए कहा।

तलाशी में मिली रिवॉल्वर : ड्राइवर सीट के बाजू में बैठे युवक ने अपना नाम नीलेश (पिता धनीराम गौंड, उम्र 26 साल, निवासी ग्राम सरखेड़ा) बताया। तलाशी लेने पर उसके पास से एक रिवॉल्वर बरामद हुई। उसने बताया कि यह बंदूक ड्राइवर सीट पर बैठे व्यक्ति की है। पुलिस ने ड्राइवर सीट पर बैठे युवक से पूछताछ की, तो उसने अपना नाम मंगल (पिता सतपाल सिंह दांगी, उम्र 26 साल, निवासी सरखेड़ा) बताया। वहीं, पीछे की सीट पर बैठे युवक ने अपनी पहचान पूरन (पिता श्रीराम गौंड, उम्र 22 साल, निवासी बूठी मुआर, देवरी) के रूप में दी।

आर्म्स एक्ट का केस दर्ज : पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे गिरवी रखी कार में सवार होकर रिवॉल्वर बेचने के लिए देवरी आए थे। पुलिस तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर थाने लाई। उनके खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस ने कार और हथियार जब्त कर लिया है।

ई-अटेंडेंस के विरोध में सड़क पर उतरे शिक्षक, पुरानी पेंशन बहाली समेत 21 सूत्रीय मांगों के निराकरण की मांग

मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)। अध्यापक शिक्षक संवर्ग की विभिन्न लंबित मांगों को लेकर आजाद अध्यापक शिक्षक संघ ने रविवार को सड़क पर उतरा। बड़ी संख्या में शिक्षक पुरानी पेंशन और ई-अटेंडेंस के विरोध में वाहन रैली निकाली। सीएम के नाम 21 सूत्रीय मांगों के निराकरण का ज्ञापन नायब तहसीलदार रामचंद्र पांडेय को सौंपा। लंबित मांगों के निराकरण को लेकर विरोध व जिला स्तरीय रैली आजाद अध्यापक शिक्षक संघ मध्यप्रदेश के प्रांतीय नेतृत्व भरत पटेल के आह्वान पर प्रदेश भर में एक साथ किया गया। शिक्षक रविवार दोपहर 12 बजे गुलाब चक्कर, पुराना कलेक्टर कार्यालय परिसर में एकत्रित हुए। यहां पर पहले सभा का आयोजन किया। इसके बाद दोपहर 2.30 बजे वाहन रैली के रूप में नारेबाजी करते हुए शहर में निकले। शिक्षकों की नियुक्ति दिनांक से वरिष्ठता निर्धारण, ई-अटेंडेंस प्रणाली का विरोध, पुरानी पेंशन बहाली, ग्रेच्युटी समेत 21 सूत्रीय मांगों के निराकरण को लेकर नारेबाजी करते हुए शिक्षक रैली में शामिल हुए।

इन मार्गों से निकलेगी रैली : रैली गुलाब चक्कर से प्रारंभ होकर नगर निगम, कॉलेज रोड, लोकेन्द्र टॉकीज, दो बत्ती, कॉन्वेंट स्कूल, फव्वारा चौक होते हुए पुनः गुलाब चक्कर पहुंची। यहां पर सीएम के नाम ज्ञापन नायब तहसीलदार को सौंपा। रैली का नेतृत्व संभाग अध्यक्ष प्रकाश शुक्ला एवं जिलाध्यक्ष सुनील गोंड़ द्वारा किया।

यह है प्रमुख मांगे :नियुक्ति दिनांक से सेवा अवधि की गणना। दमनकारी ई-अटेंडेंस प्रणाली बंद हो। पुरानी पेंशन योजना लागू की जाए।

मंदसौर में लहसुन चोर गिरोह पकड़ाया, मुल्तानी गैंग के 4 सदस्य गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, मंदसौर (निप्र)। मंदसौर जिले की दलौदा पुलिस ने लहसुन चोरी करने वाली कुख्यात मुल्तानी गैंग के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी किया गया करीब 5 क्विंटल लहसुन भी बरामद कर लिया है। यह कार्रवाई थाना प्रभारी शुभम व्यास के नेतृत्व में की गई। यह मामला 7 फरवरी 2026 को सामने आया था। ग्राम आक्या निवासी भेरूलाल माली (26 वर्ष) और मांगीबाई माली ने दलौदा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्होंने पुलिस को बताया कि अज्ञात चोरों ने उनके यहां से लगभग 5 क्विंटल लहसुन चोरी कर लिया है।

सीसीटीवी फुटेज से मिला सुराग : रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने बीएनएस की धारा 303(2) के तहत अपराध क्रमांक 60/2026 दर्ज कर जांच शुरू की। थाना प्रभारी शुभम व्यास ने विशेष टीम का गठन किया। टीम ने तकनीकी साक्ष्यों, वैज्ञानिक अनुसंधान और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच की। इसमें मुल्तानपुरा क्षेत्र की मुल्तानी गैंग की संलिप्तता सामने आई, जिसके बाद पुलिस ने घेराबंदी कर आरोपियों को दबोच लिया।

टी20 विश्व कप: इटली को लगा तगड़ा झटका, कप्तान वेन मैडसेन चोटिल

कोलकाता, एजेंसी। टी20 विश्व कप 2026 के अपने पहले मुकाबले में इटली को बड़ा झटका लगा है। स्कॉटलैंड के खिलाफ मुकाबले में इटली के कप्तान वेन मैडसेन को इंजरी की वजह से मैदान से बाहर जाना पड़ा। वह बल्लेबाजी के लिए नहीं आएंगे। विश्व कप के बाकी मैचों में उनके खेलने की संभावना न के बराबर है। कोलकाता के ईडन गार्डन्स में खेले जा रहे मुकाबले में इटली ने स्कॉटलैंड के खिलाफ टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था। स्कॉटलैंड की पारी के चौथे ओवर में मैडसेन मिडविकेट पर फील्डिंग के दौरान जॉर्ज मुनसे के पुल को रोकने की कोशिश में मैडसेन अपना कंधा चोटिल कर बैठे। अपनी बाईं ओर डाइव लगाकर गेंद रोकने की कोशिश में वह चोटिल हुए। फील्ड पर गिरने के साथ ही उन्होंने मेडिकल मदद मांगी और इसके बाद वह मैदान से बाहर चले गए। मैडसेन का बायां कंधा खिसक गया है। मैडसेन के इंजर्ड होने के साथ ही कमेंटेटर्स ने कहा कि वह मैच में आगे नहीं खेलेंगे।

इटली क्रिकेट एक्स पर लिखा, कप्तान वेन मैडसेन का बायां कंधा खिसक गया है। इसलिए वे आज के मैच में आगे हिस्सा नहीं ले पाएंगे। इटली के कैंपेन की बहुत ही निराशाजनक शुरुआत। उम्मीद है हमारे लड़के अच्छा करेंगे।

वेन मैडसेन की गैरमौजूदगी में इटली की कप्तानी हैरी मैनेंटी ने संभाली।

इटली के सबसे अनुभवी खिलाड़ी मैडसेन अपना टी20 विश्व कप डेब्यू कर रहे थे। उन्हें तुरंत एक्स-रे के लिए भेजा गया। कंधा खिसकने पर आमतौर पर एक खिलाड़ी को एक से तीन सप्ताह तक बाहर रहना पड़ता है। गंभीर चोट तीन से चार महीने तक भी खिलाड़ी को बाहर रख सकती है।

42 साल के मैडसेन को जो बर्न्स के टीम से बाहर होने के बाद विश्व कप में इटली का कप्तान बनाया गया था।

टी20 वर्ल्ड कप: हैट्रिक से चूके थीक्षाना, श्रीलंका ने आयरलैंड को 20 रन से हराया

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका ने आयरलैंड के खिलाफ रविवार को टी20 वर्ल्ड कप-2026 के छठे मुकाबले में 20 रन से जीत दर्ज की। आर प्रेमदासा स्टेडियम में खेले गए इस मैच में श्रीलंका के महेश थीक्षाना हैट्रिक का मौका चूक गए। टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी के लिए उतरी श्रीलंकाई टीम ने 6 विकेट खोकर 163 रन बनाए। इस टीम को पथुम निसांका और कामिल मिसारा की सलामी जोड़ी ने संभली हुई शुरुआत दिलाई। दोनों खिलाड़ियों ने 4 ओवरों में 28 रन की साझेदारी की। कामिल मिसारा 11 गेंदों में 2 चौकों के साथ 14 रन बनाकर पवेलियन लौटे, जिसके बाद निसांका ने कुसल मेंडिस के साथ दूसरे विकेट के लिए 26 गेंदों में 34 रन जुटाते हुए टीम को 62 के स्कोर तक पहुंचाया।

निसांका 23 गेंदों में 24 रन बनाकर आउट हुए। उनकी इस पारी में 1 छक्का और 1 चौका शामिल रहा, लेकिन उनके आउट होने के बाद विकेट तेजी से गिरे। आलम ये रहा कि 86 के स्कोर तक 4 बल्लेबाज पवेलियन लौट गए थे।

यहां से कुसल मेंडिस ने कामिंदु मेंडिस के साथ 29 गेंदों में 67 रन जोड़ते हुए श्रीलंका को चुनौतीपूर्ण स्कोर तक पहुंचाया। कामिंदु ने 19 गेंदों में 2 छक्कों और 4 चौकों के साथ 44 रन जुटाए, जबकि कुसल मेंडिस ने 43 गेंदों में नाबाद 56 रन बनाए। उनकी इस पारी में 5 चौके शामिल रहे।

विपक्षी खेमे से बैरी मैकार्थी और जॉर्ज डॉकरेल ने 2-2 विकेट हासिल किए। एक-एक विकेट मार्क एडेर और गैरेथ डेलानी के हाथ लगा।

स्कॉटलैंड ने रचा इतिहास, एक पारी में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली एसोसिएट टीम बनी

कोलकाता, एजेंसी। टी20 विश्व कप के इतिहास में स्कॉटलैंड ने एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। एसोसिएट देश के रूप में स्कॉटलैंड ने टी20 विश्व कप की एक पारी में सबसे ज्यादा रन बनाने की उपलब्धि यूएसए को पीछे छोड़ते हुए अपने नाम कर ली है। कोलकाता के ईडन गार्डन में सोमवार को खेले जा रहे मुकाबले में स्कॉटलैंड ने इटली के खिलाफ टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 4 विकेट पर 207 रन बनाए। टी20 विश्व कप में किसी भी एसोसिएट देश का एक पारी में बनाया गया यह सबसे बड़ा स्कोर है।

पूर्व में यह रिकॉर्ड यूएसए के नाम था। टी20 विश्व कप 2024 में यूएसए ने कनाडा के खिलाफ दूसरी पारी में 3 विकेट पर 197 रन बनाकर जीत हासिल की थी। इसी मैच में कनाडा ने पहली पारी में 194 रन बनाए थे।

चौथे स्थान पर नीदरलैंड है। 2014 में सिल्हट में आयरलैंड के खिलाफ नीदरलैंड ने दूसरी पारी में 4 विकेट पर 193 रन बनाए थे। इसी मैच में आयरलैंड ने पहली पारी में 4 विकेट पर 189 रन बनाए थे।

स्कॉटलैंड की टी20 विश्व कप 2026 में एंट्री नाटकीय तरीके से हुई है। स्कॉटलैंड ने विश्व कप के लिए क्वालिफाई नहीं किया था। ग्रुप सी में स्कॉटलैंड की जगह बांग्लादेश थी। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने अपनी सरकार की सलाह पर भारत में अपने खिलाड़ियों की सुरक्षा पर खतरा बताते हुए विश्व कप का बहिष्कार किया था। बांग्लादेश के विश्व कप से बाहर होने के बाद आईसीसी ने स्कॉटलैंड को मौका दिया।

स्कॉटलैंड की टीम सातवीं बार टी20 विश्व कप में हिस्सा ले रही है। इससे पहले वह 2007, 2009, 2016, 2021, 2022 और 2024 के टी20 विश्व कप में खेल चुकी है। स्कॉटलैंड टी20 विश्व कप में वेस्टइंडीज और बांग्लादेश जैसी अपेक्षाकृत मजबूत टीमों को हरा चुकी है।

ला लीगा: रियल मैड्रिड ने वालेंसिया को 2-0 से हराया

मैड्रिड, एजेंसी। रियल मैड्रिड ने वालेंसिया पर 2-0 से जीत के साथ ही ला लीगा खिताब की दौड़ में अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज कराई है। इस जीत के साथ ही रियल मैड्रिड शीर्ष पर मौजूद एफसी बार्सिलोना से सिर्फ एक अंक पीछे रह गया है। मैच के पहले हाफ में वालेंसिया ने रियल मैड्रिड पर दबाव बनाए रखा, लेकिन ब्रेक के बाद तस्वीर पूरी तरह बदल गई। 65वें मिनट में लेफ्ट बैक अल्वारो कैरेरास ने व्यक्तिगत कौशल का शानदार नमूना पेश करते हुए दो कमजोर डिफेंसिव चुनौतियों को पार कर गोल दागा। इंजरी टाइम में काइलियन एमबाप्पे ने गोल कर जीत पर मुहर लगा दी। हार के बाद वालेंसिया के लिए हालात और मुश्किल हो गए हैं। टीम रेलीगेशन जोन के करीब पहुंच गई है और हाल ही में कोपा डेल रे से भी बाहर हो चुकी है।

उधर, रियल बेटिस ने मेट्रोपोलिटानो स्टेडियम में एटलेटिको मैड्रिड को 1-0 से हराकर कोपा डेल रे क्वार्टर फाइनल में मिली 5-0 की करारी हार का बदला ले लिया। मैच का एकमात्र गोल 29वें मिनट में एंटनी ने किया। बेटिस ने इसके बाद मजबूत डिफेंस का सहारा लिया और किस्मत भी उसके साथ रही, जब दूसरे हाफ में एटलेटिको का एक संभावित बराबरी का गोल ऑफसाइड करार दिया गया।

एक अन्य मुकाबले में एथलेटिक क्लब ने लेवांटे को 4-2 से हराकर जीत की पटरी पर वापसी की। गोर्का गुरुजेटा ने पहले हाफ में दो गोल दागे। लेवांटे की टीम 10 खिलाड़ियों तक सिमट गई थी, जिसका फायदा उठाते हुए एथलेटिक ने बढ़त बनाई। हालांकि मैच के आखिरी मिनटों में खेल काफी रोमांचक हो गया, लेकिन रॉबर्ट नवारो के एक्स्ट्रा टाइम गोल ने जीत पक्की कर दी।

सेविला ने गिरोना के खिलाफ घरेलू मैदान पर 1-1 से ड्रॉ खेला। काइक सालास के अंतिम क्षणों में किए गए गोल और गोलकीपर ओडिसीस व्लाचोडिमोस की स्टॉपेज टाइम पेनल्टी सेव ने सेविला को हार से बचाया। वहीं गेटाफे ने अलावेस को 2-0 से हराकर नौ मैचों से चली आ रही हार की श्रृंखला का अंत किया।

ला लीगा में इन नतीजों के साथ खिताबी दौड़ और रेलीगेशन की जंग दोनों ही और रोमांचक हो गई हैं।

इंग्लिश प्रीमियर लीग : हैलेंड के गोल से मैनचेस्टर सिटी ने लीवरपूल को हराया

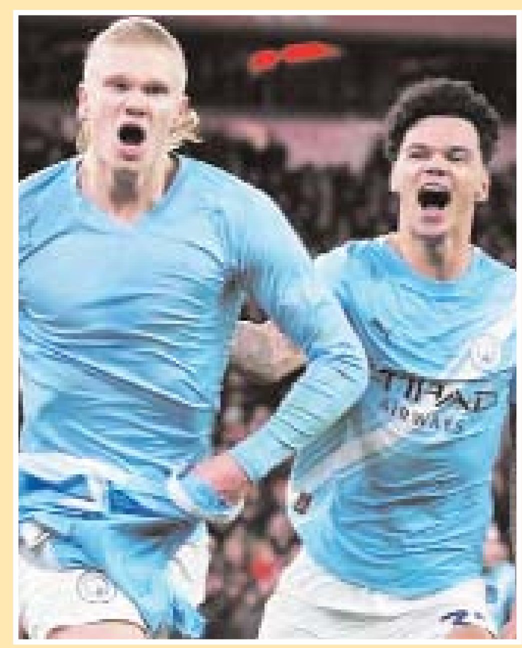

लंदन, एजेंसी। एर्लिंग हैलेंड के अंतिम लम्हों में पेनल्टी पर दागे गोल की बदौलत मैनचेस्टर सिटी ने इंग्लिश प्रीमियर लीग फुटबॉल टूर्नामेंट में लीवरपूल को 2-1 से हराकर खिताब की अपनी उम्मीदों को जीवंत रखा। नॉर्वे के हैलेंड ने दूसरे हाफ के इंजरी टाइम में गोल दागकर रविवार को अपनी टीम की जीत सुनिश्चित की। मैनचेस्टर सिटी की टीम 25 मैच में 50 अंक के साथ दूसरे स्थान पर है। अब उसके और शीर्ष पर चल रहे आर्सेनल के बीच छह अंक का अंतर है। लीवरपूल को 74वें मिनट में डोमीनिक जोबोज्लाई ने बढ़त दिलाई थी जिसके 10 मिनट बाद बर्नार्डो सिल्वा ने स्कोर 1-1 कर दिया। हैलेंड ने इसके बाद पेनल्टी पर गोल दागकर अपनी टीम की जीत सुनिश्चित की। एक अन्य मुकाबले में क्रिस्टल पैलेस ने ब्राइटन को 1-0 से हराकर 12 मैच से चले आ रहे जीत के इंतजार को खत्म किया।

टी20 विश्व कप: टॉप 10 गेंदबाजों में एक भी भारतीय नहीं, अर्शदीप बना सकते हैं शीर्ष 5 में जगह

नई दिल्ली, एजेंसी। टी20 विश्व कप का पहला एडिशन 2007 में दक्षिण अफ्रीका में खेला गया था। मौजूदा समय में भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में टी20 विश्व कप का दसवां एडिशन खेला जा रहा है। अब तक खेले गए विश्व कप के सभी एडिशन में भारतीय बल्लेबाजों का दबदबा रहा है। शीर्ष पर विराट कोहली हैं, तो दूसरे स्थान पर रोहित शर्मा हैं। गेंदबाजों के मामले में आंकड़ा बिल्कुल अलग है। शीर्ष 10 में एक भी भारतीय गेंदबाज नहीं है। अब तक खेले गए टी20 विश्व कप मैचों में सफलतम गेंदबाजों पर गौर करें तो शीर्ष 5 पर एशियाई गेंदबाजों का कब्जा है, लेकिन इसमें एक भी भारतीय या सेना देशों का गेंदबाज नहीं है। टी20 विश्व कप 2026 में अगर ऑस्ट्रेलियाई एडम जांपा और दक्षिण अफ्रीका के एनरिक नॉर्किया का प्रदर्शन अच्छा रहा, तो वे शीर्ष 5 में जगह बना सकते हैं। भारतीय तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह के पास भी शीर्ष दस में एंट्री के साथ ही शीर्ष 5 में भी जगह बनाने का मौका है। फिलहाल 19वें स्थान पर मौजूद अर्शदीप ने विश्व कप के 15 मैचों में 29 विकेट लिए हैं। टी20 विश्व कप में भारत के सबसे सफल गेंदबाज आर अश्विन रहे हैं। अश्विन ने 24 मैचों में 32 विकेट लिए हैं और वह 13वें स्थान पर हैं।

पहले स्थान पर बांग्लादेश के पूर्व कप्तान शाकिब अल हसन हैं। शाकिब ने 2007 से 2024 के बीच 43 मैचों में 50 विकेट लिए हैं। श्रीलंका के वानिंदु हसरंगा दूसरे स्थान पर हैं। हसरंगा ने 2021 से 2026 के बीच अब तक खेले 20 मैचों में 40 विकेट लिए हैं। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी 34 मैचों में 39 विकेट लेकर तीसरे स्थान पर हैं।

चौथे स्थान पर अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान हैं। राशिद ने 2016 से 2026 के बीच अब तक खेले 24 मैचों में 38 विकेट लिए हैं। पांचवें नंबर पर श्रीलंका के पूर्व तेज गेंदबाज और अपनी कप्तानी में श्रीलंका को टी20 विश्व कप जिताने वाले लसिथ मलिंगा हैं। मलिंगा ने 31 मैचों में 38 विकेट लिए हैं। ऑस्ट्रेलियाई एडम जांपा भी 21 मैचों में 36 विकेट लेकर छठे स्थान पर हैं और उनके पास भी शीर्ष स्थान पर जाने का मौका है।

पाकिस्तान के पूर्व स्पिनर सईद अजमल सातवें स्थान पर हैं। अजमल के नाम 2009 से 2014 के बीच 23 मैचों में 36 विकेट हैं। न्यूजीलैंड के पूर्व गेंदबाज टिम साउदी आठवें स्थान पर हैं। साउदी ने 2010 से 2024 के बीच 25 मैचों में 36 विकेट लिए हैं।

टी20 विश्व कप 2026 में बड़ी टीमों की परीक्षा और छोटी टीमों का बेखौफ अंदाज

नई दिल्ली, एजेंसी। टी20 विश्व कप 2026 की शुरुआत बेहद रोमांचक रही है। 20 टीमों के इस बड़े टूर्नामेंट से पहले यह अनुमान लगाया जा रहा था कि बड़ी टीमें कमजोर मानी जाने वाली टीमों के खिलाफ आसानी से जीत दर्ज करेंगी। लेकिन अब तक खेले गए मुकाबलों ने इन धारणाओं को काफी हद तक चुनौती दी है। कई मैच ऐसे रहे हैं, जहां अप्रत्याशित नतीजे बहुत ही कम अंतर से टल गए और बड़ी टीमें किसी तरह शर्मिंदगी से बच पाई। क्रिकेट जैसे खेल के किसी भी वैश्विक आयोजन में 20 टीमों की मौजूदगी किसी भी स्तर पर काफी ज्यादा है। विश्व कप जैसी प्रतियोगिताओं में यह तर्क अक्सर दिया जाता रहा है कि कम टीमों के साथ टूर्नामेंट कराने से गुणवत्ता बेहतर रहती है और दर्शकों को उच्च स्तर का क्रिकेट देखने को मिलता है। बड़े प्लेटफॉर्म पर छोटी टीमों को अक्सर दरकिनार भी किया जाता रहा है, लेकिन टी20 विश्व कप 2026 ने अपनी शुरुआत से ही यह दिखा दिया है कि टी20 फॉर्मेट को हल्के में नहीं लिया जा सकता और परिणामों की अनिश्चितता ही इसकी सबसे बड़ी पहचान है। अगर ग्रुप स्टेज पर नजर डालें, तो हर ग्रुप में एक या दो मजबूत टीमों के साथ कई ऐसी टीमें शामिल हैं जिन्हें कागजों पर कमजोर माना जाता है। भारत के ग्रुप में नामीबिया, नीदरलैंड और अमेरिका जैसी टीमें हैं। ग्रुप बी में श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया के साथ जिम्बाब्वे, ओमान और आयरलैंड को रखा गया है। ग्रुप सी में वेस्टइंडीज और इंग्लैंड के साथ इटली, नेपाल और स्कॉटलैंड हैं, जबकि ग्रुप डी में न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के साथ अफगानिस्तान, यूएई और कनाडा शामिल हैं। कागजों पर ये मुकाबले एकतरफा लग सकते हैं, लेकिन जब टी20 फॉर्मेट में टीमें मैदान पर उतरती हैं, तो यही मुकाबले रोमांचक और प्रतिस्पर्धी बन जाते हैं।

विश्व कप की शुरुआत ने ही यह संदेश दे दिया था। ओपनिंग मुकाबले में पाकिस्तान को नीदरलैंड जैसी टीम को हराने के लिए कड़ा संघर्ष करना पड़ा। नीदरलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 19.5 ओवर में 147 रन बनाए। जवाब में पाकिस्तान की टीम लक्ष्य तक तो पहुंच गई, लेकिन एक समय ऐसा भी आया जब वह मुकाबले में काफी पिछड़ती नजर आ रही थी। अनुभव ने अंत में पाकिस्तान की मदद जरूर की, लेकिन यदि नीदरलैंड की ओर से फील्डिंग में कुछ कम गलतियां हुई होतीं या मौके बेहतर तरीके से भुनाए गए होते, तो नतीजा पलट सकता था।

उसी दिन एक और मुकाबले में मेजबान और डिफेंडिंग चैंपियन भारत की टीम अमेरिका के खिलाफ उतरी। भारत ने यह मैच 29 रनों से जीता, लेकिन स्कोरलाइन इस मुकाबले की असली तस्वीर नहीं दिखाती। वास्तव में भारतीय टीम एक समय गंभीर दबाव में थी। 14 ओवर में भारत का स्कोर 6 विकेट पर 77 रन था और 16.4 ओवर में 118 रन पर सात विकेट गिर चुके थे। ऐसे हालात में सूर्यकुमार यादव की 49 गेंदों पर 84 रनों की कप्तानी पारी निर्णायक साबित हुई, जिसने न केवल भारत को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया बल्कि टीम को शुरुआती शर्मिंदगी से भी बचाया। रविवार को भी कुछ ऐसा ही देखने को मिला, जब अफगानिस्तान और न्यूजीलैंड आमने-सामने थे। अफगानिस्तान भले ही अब क्रिकेट का नया नाम न हो, लेकिन बुनियादी ढांचे, संसाधनों और अनुभव के लिहाज से वह अब भी शीर्ष टीमों से पीछे है। इसके बावजूद अफगान टीम ने जिस तरह का खेल दिखाया, वह काबिले-तारीफ रहा। अफगानिस्तान ने 20 ओवर में छह विकेट पर 182 रन बनाए और न्यूजीलैंड के शुरुआती दो विकेट सिर्फ 14 रन पर गिरा दिए। भारत के खिलाफ हालिया सीरीज से मिले अनुभव और मानसिक मजबूती ने न्यूजीलैंड को इस मुकाबले में वापसी का रास्ता दिखाया, लेकिन अफगान खिलाड़ियों ने अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज कराने में कोई कसर नहीं छोड़ी।

रविवार का सबसे चौंकाने वाला मुकाबला नेपाल के नाम रहा, जब उसने इंग्लैंड जैसी मजबूत टीम को पूरी तरह चुनौती दी। इस मैच का स्कोरबोर्ड ही इसकी कहानी बयान करता है। इंग्लैंड ने 20 ओवर में सात विकेट पर 184 रन बनाए, जिसके जवाब में नेपाल ने छह विकेट पर 180 रन बनाकर मुकाबले को आखिरी ओवर तक खींच लिया। अंतिम ओवर में सैम करन की सधी हुई गेंदबाजी (जिसमें उन्होंने छह गेंदों पर सिर्फ पांच रन दिए) इंग्लैंड के काम आई। वरना नेपाल की झोली में एक ऐतिहासिक जीत जाती दिख रही थी। इन शुरुआती नतीजों ने यह साफ कर दिया है कि टी20 विश्व कप 2026 अब सिर्फ बड़ी टीमों का खेल नहीं है। भले ही अनुभव और परिस्थितियों का फायदा अभी भी मजबूत टीमों के पास हो, लेकिन छोटी टीमों के लिए यह विश्व कप जीत और हार से ज्यादा मुकाबले की टक्कर में टिके रहने की लड़ाई बन चुका है। अब तक वे इस कसौटी पर काफी हद तक सफल भी रही हैं। ग्रुप स्टेज आगे बढ़ने के साथ यह उम्मीद और मजबूत हो गई है कि यह विश्व कप कुछ बड़े उलटफेरों का भी गवाह बनेगा।

कोरेक्स पर कार्रवाई का सच दबा, कांग्रेस का दिखावा उजागर बिना पड़ताल आईजी का सम्मान; असली किरदार पर पर्दा!

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा जिले में कोरेक्स की बिक्री में आई गिरावट को लेकर चल रही सख्त प्रशासनिक और पुलिस कार्रवाई अब एक बड़े राजनीतिक विवाद का रूप ले चुकी है। बिना जमीनी हकीकत जाने और पूरे तथ्यों की पड़ताल किए कांग्रेस पार्टी के कुछ पदाधिकारी सीधे रीवा रेंज के आईजी का सम्मान करने पहुंच गए और बधाइयों के साथ पूरी कार्रवाई का श्रेय सौंप दिया। यह कदम अब सवालों के घेरे में है क्या कोरेक्स पर लगाम लगाने की पूरी पटकथा केवल रेंज स्तर पर ही लिखी गई थी या फिर इसके पीछे सरकार और उपमुख्यमंत्री की निर्णायक भूमिका को जानबूझकर नजरअंदाज किया गया?

सूत्रों के मुताबिक उपमुख्यमंत्री ने रीवा को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने और नशे के बढ़ते कारोबार पर रोक लगाने के लिए कोरेक्स जैसे घातक नशे को प्राथमिक मुद्दा बनाया था। इसी क्रम में उन्होंने सीधे यूपी सरकार और पुलिस मुख्यालय से समन्वय स्थापित किया। इसके बाद उप पुलिस के निर्देश पर नशा माफियाओं के खिलाफ सुनियोजित और लगातार कार्रवाई शुरू हुई सप्लाई चेन तोड़ी गई तस्करों की धरपकड़ हुई और कई ठिकानों पर दबिश दी गई। इन सख्त कदमों का ही नतीजा रहा कि कोरेक्स की बिक्री पर काफी हद तक अंकुश लग पाया। लेकिन हैरानी की बात यह रही कि कांग्रेस नेताओं ने न तो इस कार्रवाई की पृष्ठभूमि जानने की कोशिश की न ही यह समझा कि असली निर्णय कहां से आया और दबाव किस स्तर पर बनाया गया। नतीजा यह हुआ कि रीवा रेंज के अधिकारी बैठे बैठे पूरे अभियान का श्रेय ले गए जबकि कांग्रेस नेता केवल गुलदस्ता लेकर फोटो सेशन तक सीमित रह गए। यह सम्मान कम और राजनीतिक जल्दबाजी का प्रदर्शन ज्यादा नजर आया। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि यही कांग्रेस पार्टी वर्षों तक रीवा को विकास की दौड़ से पीछे रखे रही। उस दौर में नशा बेरोजगारी और अव्यवस्था जैसे मुद्दों पर ठोस पहल नहीं हुई। आज जब सख्त कार्रवाई के परिणाम सामने आए तो तथ्यों के बजाय दिखावे को प्राथमिकता दी जा रही है। यह रवैया कांग्रेस की कथित जनहितैषी राजनीति पर भी सवाल खड़े करता है। स्थानीय नागरिकों में भी इस पूरे घटनाक्रम को लेकर तीखी चर्चा है। लोगों का कहना है कि असली मुद्दे नशा मुक्ति रोजगार के अवसर और स्थायी विकास अब भी उपमुख्यमंत्री और सरकार की पहल तक ही सीमित रह जाते हैं, जबकि जमीनी राजनीति केवल प्रतीकात्मक सम्मान और श्रेय लेने की होड़ में उलझी रहती है। कुल मिलाकर कोरेक्स पर कार्रवाई का यह मामला अब सिर्फ कानून-व्यवस्था का नहीं रहा बल्कि राजनीतिक ईमानदारी और श्रेय की राजनीति का आईना बन चुका है। सवाल साफ है- क्या कांग्रेस वाकई जनहित की लड़ाई लड़ रही है, या फिर सच्चाई को दरकिनार कर सस्ती राजनीति में उलझी हुई है?

फूफा ने 14 साल के बच्चे पर किया जानलेवा हमला, जंगल ले जाकर मुंह पर मारा; हालत गंभीर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा जिले के गोविंदगढ़ थाना क्षेत्र में रविवार शाम 14 साल के नाबालिग बच्चे पर उसके ही रिश्ते के फूफा ने धारदार हथियार से जानलेवा हमला कर दिया। गंभीर हालत में बच्चे को संजय गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। घायल बच्चे के पिता राजकुमार यादव ने बताया कि आरोपी उनकी चचेरी बहन का पति है। वह बच्चे को बहला-फुसलाकर जंगल की ओर मुक्तिधाम के पास ले गया। वहां किसी नुकीले धारदार औजार से बच्चे के गले और मुंह पर हमला कर दिया। परिजनों के मुताबिक, आरोपी का रिश्ते को लेकर अक्सर विवाद और मारपीट होती रहती थी। इस कारण दोनों पक्षों में तनाव बना हुआ था। इसी रंजिश के चलते आरोपी ने इस वारदात को अंजाम दिया। घटना की सूचना मिलते ही गोविंदगढ़ पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना कर जांच शुरू कर दी है। फिलहाल घायल बच्चे का इलाज जारी है और पुलिस फरार आरोपी की तलाश में जुटी हुई है।

डीजे के शोर से बिगड़ रहा स्टूडेंट्स का रूटीन,बोर्ड परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्रों को परेशानी ; लाउडस्पीकर पर लगाम लगाने की मांग

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। बोर्ड परीक्षाओं के दौरान शहर में बढ़ता ध्वनि प्रदूषण अब विद्यार्थियों की पढ़ाई के लिए बड़ी चुनौती बन गया है। रात होते ही कई इलाकों में डीजे और साउंड सिस्टम की तेज आवाज गूंजने लगती है, जो देर रात तक जारी रहती है। तय समय सीमा की अनदेखी आम बात हो गई है और इसका सीधा असर परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्रों पर पड़ रहा है।

नींद पूरी नहीं, बिगड़ रहा रूटीन: अभिभावकों का कहना है कि शोर के कारण बच्चों को न पर्याप्त नींद मिल पा रही है और न ही शांत माहौल। देर रात तक चलने वाले तेज संगीत से पढ़ाई का पूरा शेड्यूल गड़बड़ा रहा है। कई माता-पिता ने बताया कि बच्चे सुबह थकान महसूस करते हैं, जिससे दिनभर पढ़ाई में ध्यान नहीं लग पाता। इससे मानसिक दबाव भी बढ़ रहा है।

नियम हैं, पालन नहीं: ध्वनि विस्तारक यंत्रों को लेकर नियम बने होने के बावजूद नियंत्रण नजर नहीं आ रहा। नागरिकों का कहना है कि पुलिस और प्रशासन को सख्ती दिखानी चाहिए, लेकिन जमीन पर कार्रवाई बहुत कम दिखाई देती है। परीक्षा अवधि में तय समय के बाद डीजे और लाउडस्पीकर बंद कराने की मांग अब तेज हो गई है।

विद्यार्थी परिषद ने दी चेतावनी: मामले को लेकर विद्यार्थी परिषद भी सामने आई है। परिषद के प्रतिनिधि पीएन पांडेय ने कहा कि परीक्षा के समय इस तरह का शोर छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो परिषद आंदोलन करेगी।

शांत माहौल की अपील: स्थानीय लोगों का कहना है कि थोड़ी सख्ती से ही छात्रों को बड़ी राहत मिल सकती है। उन्होंने प्रशासन से परीक्षा अवधि में शांत वातावरण सुनिश्चित करने की अपील की है, ताकि विद्यार्थी बिना बाधा अपनी पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित कर सकें। सीएसपी राजीव पाठक ने कहा कि सभी डीजे संचालकों की बैठक बुलाई जा रही है। नियमों का उल्लंघन कर छात्रों की पढ़ाई में बाधा उत्पन्न करने वाले लापरवाह डीजे संचालकों पर कार्यवाही की जाएगी।

बाइक फिसलने से दो युवक घायल,लोगों ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया

मीडियो ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। नईगढ़ी कस्बे के मुख्य बाजार में सोमवार दोपहर करीब 1 बजे एक अनियंत्रित बाइक फिसलने से दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। बाइक चालक शिव विकास साकेत अपने साथी के साथ बाजार से गुजर रहे थे, तभी अचानक बाइक का संतुलन बिगड़ गया। बाइक फिसलकर सड़क किनारे जा गिरी, जिससे दोनों युवक सड़क पर गिरकर चोटिल हो गए। घटनास्थल पर मौजूद ग्रामीणों और दुकानदारों ने फौरन उनकी मदद की। हादसे में घायल हुए युवकों की पहचान इस प्रकार है- शिव विकास साकेत: उम्र 23 वर्ष, निवासी खर्रा (बाइक चालक)। प्रकाश साकेत: उम्र 22 वर्ष, निवासी ग्राम नीवी। दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नईगढ़ी में भर्ती कराया गया है। डॉक्टर के अनुसार, युवकों के शरीर पर कई जगह चोटें आई हैं, लेकिन फिलहाल उनकी हालत सामान्य है और वे इलाज के बाद निगरानी में हैं।

मेडिकल कॉलेज फायर सेफ्टी से संबंधित कार्य को प्राथमिकता से करें पूर्ण : उप मुख्यमंत्री

लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग की समीक्षा की

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। उप मुख्यमंत्री वल्लभ भवन में लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के विभिन्न विषयों की समीक्षा की। उन्होंने विभागीय योजनाओं, निर्माण कार्यों एवं मानव संसाधन से संबंधित प्रगति की विस्तार से समीक्षा की। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने श्याम शाह मेडिकल कॉलेज, रीवा में फायर सेफ्टी से संबंधित लंबित मरम्मत कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही कॉलेज में आवश्यक नवीन कार्यों की स्वीकृति के लिए सभी आवश्यक औपचारिकताओं को समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के निर्देश भी दिए। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने 16 जिला चिकित्सालयों एवं क्रिटिकल केयर हेल्थ ब्लॉकों के लिए आवश्यक पदों की स्वीकृति संबंधी प्रस्ताव को प्राथमिकता से तैयार कर समस्त औपचारिकताएं पूर्ण करते हुए कैबिनेट अनुमोदन हेतु प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेजों में फर्नीचर एवं अन्य आवश्यक चिकित्सा उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित करते हुए सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में प्रमुख सचिव लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा श्री संदीप यादव, आयुक्त धनराजु एस सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

संकल्प से समाधान अभियान के आवेदनों का करें निराकरण - डॉ. सोनवणे

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में आयुक्त नगर निगम डॉ. सौरभ सोनवणे ने सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण की समीक्षा की। डॉ. सोनवणे ने कहा कि सभी अधिकारी सीएम हेल्पलाइन में 50 दिन से अधिक समय से लंबित आवेदनों का प्राथमिकता से निराकरण कराएं। विकासखण्ड स्तर और ग्राम स्तर के अधिकारियों को हर सप्ताह आवेदनों के निराकरण का लक्ष्य दें। राजस्व विभाग, खाद्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, शिक्षा विभाग, ऊर्जा विभाग, पीएचई, श्रम विभाग, स्वास्थ्य विभाग तथा ग्रामीण विकास विभाग आवेदन पत्रों के निराकरण पर विशेष ध्यान दें। सीएम हेल्पलाइन में कोई भी विभाग डी श्रेणी में रहा तो कार्रवाई की जाएगी। समाधान ऑनलाइन के एजेण्डा बिन्दुओं में लंबित आवेदनों के निराकरण पर भी विशेष ध्यान दें। बैठक में डॉ. सोनवणे ने कहा कि संकल्प से समाधान अभियान के दौरान हर पात्र हितग्राही से आवेदन पत्र भरवाकर उसे योजनाओं का लाभ दें। अभी भी कई विभागों में आवेदन पत्रों की संख्या बहुत कम है। संबंधित अधिकारी पात्र हितग्राहियों से आवेदन पत्र भरवाकर उसे जनपद पंचायत अथवा नगरीय निकाय के माध्यम से ऑनलाइन दर्ज कराएं। अभियान के दौरान दर्ज आवेदन पत्रों का तत्परता से निराकरण भी करें। आयुष्मान योजना, धरती आबा योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वनिधि योजना तथा अन्य सभी योजनाओं के पात्र हितग्राहियों के आवेदन पत्र भरवाकर पोर्टल पर दर्ज कराएं।

कलेक्टर ने गंगेव में की स्वास्थ्य विभाग के कार्यों की समीक्षा

गलत डाटा दर्ज करना आपराधिक कृत्य और पाप है - कलेक्टर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्टर प्रतिभा पाल ने गंगेव जनपद कार्यालय सभागार में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा की। कलेक्टर ने कहा कि स्वास्थ्य सूचकांकों को बेहतर करने के लिए लगातार और तत्परता से प्रयास करना आवश्यक है। सभी चिकित्साकर्मी मानवीय संवेदना और सेवाभाव के साथ रोगियों का उपचार करें। एएनएम, आशा कार्यकर्ता के माध्यम से गर्भवती महिलाओं का समय पर पंजीयन कराएं। केवल समग्र आईडी दर्ज करने से ही महिला का पूरा विवरण दर्ज हो जाता है। गर्भवती महिला की समय पर जाँच करें तथा उसके ब्लडप्रेशर, वजन, कद एवं हीमोग्लोबिन की सही जानकारी ऑफलाइन और

अनमोल पोर्टल पर दर्ज करें। पोर्टल में यदि गर्भवती महिला की जानकारी दर्ज करने पर लाल अथवा पीला निशान आता है तो घबराएं नहीं। इसके अनुरूप महिला का एनीमिया मैनेजमेंट करें। आपने यदि पोर्टल पर गलत जानकारी दर्ज की तो इससे किसी गर्भवती महिला की जान भी जा सकती है। गलत डाटा दर्ज करना आपराधिक कृत्य और मानवता के प्रति बहुत बड़ा पाप है। पोर्टल में और ऑफलाइन गलत डाटा दर्ज पाए जाने पर एएनएम, सीएचओ और बीएमओ के विरूद्ध कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर ने कहा कि प्रशिक्षण के माध्यम से गर्भवती महिलाओं के पंजीयन, स्वास्थ्य जाँच, टीकाकरण, एनीमिया प्रबंधन की जानकारी दी गई है। सीवियर और मॉडरेट एनीमिया की स्थिति में गर्भवती महिलाओं को दी जाने वाली उपचार सहायता की भी पूरी जानकारी दी गई है। बीएमओ एक महीने की अवधि में प्रत्येक गर्भवती महिला की जाँच पुनः कराकर तथ्यपरक डाटा ऑफलाइन और ऑनलाइन दर्ज कराएं। अधिकांश मैदानी कर्मचारी अच्छा कर्य कर रहे हैं लेकिन कुछ लोगों की लापरवाही के कारण विभाग और जिले की छवि धूमिल हो रही है। पोर्टल में पूरी सावधानी के साथ वास्तविक जानकारी दर्ज करें। बीएमओ और सीएचओ गर्भवती महिलाओं के पंजीयन और जाँच की सतत निगरानी करें। एनिमिक महिलाओं को आयरन सुक्रोज के इंजेक्शन लगवाएं तथा गंभीर स्थिति होने पर उन्हें जिला चिकित्सालय रेफर करके उपचार कराएं।

संकल्प से समाधान अभियान में अब तक 34965 आवेदन पत्र दर्ज

मीडियो ऑडीटर, रीवा (निप्र)। आमजनता के आवेदन पत्रों का निराकरण करने तथा विकास योजनाओं की पात्रता के अनुसार आवेदन पत्र भरवाने के लिए संकल्प से समाधान अभियान चलाया जा रहा है। जिले भर में यह अभियान 12 जनवरी से 31 मार्च तक चार चरणों में चलाया जा रहा है। अभियान के प्रथम चरण में नगरीय निकायों तथा ग्राम पंचायतों में शिविर लगाकर आमजनता से आवेदन पत्र प्राप्त किए जा रहे हैं। इस संबंध में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने बताया कि अब तक संकल्प से समाधान शिविरों में आमजनता से 34965 आवेदन पत्र प्राप्त हुए हैं। इनमें से 20801 आवेदन पत्रों को स्वीकृत किया गया है। विभिन्न कारणों से 1156 आवेदन पत्र अस्वीकृत किए गए हैं। ग्रामीण क्षेत्र में लगाए जा रहे शिविरों में विकासखण्ड जवा में 4056, विकासखण्ड रीवा में 9354, विकासखण्ड सिरमौर में 8088, विकासखण्ड गंगेव में 6881, विकासखण्ड त्योंथर में 2740 तथा विकासखण्ड रायपुर कर्चुलियान में 1652 आवदेन पत्र दर्ज हुए हैं। शहरी क्षेत्रों में नगर निगम रीवा में 1604, नगर परिषद बैकुण्ठपुर में 56, नगर परिषद चाकघाट में 126, नगर परिषद डभौरा में 91, नगर परिषद त्योंथर में 78, नगर परिषद गुढ़ में 79, नगर परिषद मनगवां 29, नगर परिषद गोविंदगढ़ 10, सेमरिया 65 तथा नगर परिषद सिरमौर में 56 आवेदन पत्र दर्ज किए गए हैं। इन आवेदन पत्रों का निराकरण भी किया जा रहा है।

अवैध उत्खनन, रीवा संभाग आयुक्त कार्यालय में शिकायत

वकील ने कहा- खनिज विभाग अधिकारी माफिया से मिले, इसलिए कार्रवाई नहीं होती

मीडियो ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। अवैध उत्खनन और खनिज माफिया के आतंक को लेकर रीवा संभाग आयुक्त कार्यालय में सोमवार को शिकायत दर्ज कराई गई है। सामाजिक कार्यकर्ता और अधिवक्ता बीके माला ने आरोप लगाया है कि खनिज विभाग के स्थानीय अधिकारी माफिया के साथ मिले हुए हैं और उन्हें संरक्षण दे रहे हैं। शिकायत के मुताबिक, हनुमना, नईगढ़ी और लोढ़ी क्षेत्रों में आबादी के पास ही अवैध रूप से क्रेशर चलाए जा रहे हैं और भारी ब्लास्टिंग की जा रही है। इसकी वजह से ग्रामीणों के कच्चे मकानों में दरारें आ गई हैं और कई घर गिरने की स्थिति में हैं। अधिवक्ता ने बताया कि रात और सुबह के समय होने वाली इन धमाकों से बच्चों और ग्रामीणों की जान जोखिम में है।

कार्रवाई न होने पर माफिया के हौसले बुलंद: बीके माला का आरोप है कि पहले भी कई बार शिकायतें की गईं और बड़े अधिकारियों ने जांच के आदेश भी दिए, लेकिन स्थानीय स्तर पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। खनिज विभाग के अधिकारी मौके पर जाने से बचते हैं, जिससे अवैध उत्खनन बेखौफ जारी है। यह भी आरोप है कि यहां से निकलने वाली गिट्टी और पत्थर उत्तर प्रदेश की सीमा से लगे माफियाओं को बेचे जा रहे हैं।

एनजीटी जाने की चेतावनी: सामाजिक कार्यकर्ता ने संभाग आयुक्त और मऊगंज कलेक्टर से मांग की है कि इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर जल्द ही अवैध खनन और ब्लास्टिंग नहीं रोकी गई, तो वे राष्ट्रीय हरित अधिकरण और अदालत का दरवाजा खटखटाएंगे। फिलहाल अधिकारियों ने उचित कार्रवाई का भरोसा दिया है।

ट्रैक्टर ने बाइक को मारी टक्कर, बाप-बेटे घायल; दोनों अस्पताल में भर्ती इलाज जारी

मीडियो ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। बरांव मोड़ नेशनल हाईवे पर रविवार शाम सड़क हादसे में बाइक सवार बाप-बेटे घायल हो गए। उन्हें अज्ञात ट्रैक्टर ने टक्कर मारी। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों को मऊगंज के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है।घायलों की पहचान शाहबाज अली पिता सलीम बख्श के रूप में हुई है। वे नईगढ़ी थाना क्षेत्र के बंधवा गांव के निवासी हैं। घटना रविवार को बरांव मोड़ बाईपास पर हुई, जब एक तेज रफ्तार अज्ञात ट्रैक्टर ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। परिजनों ने बताया कि बाप-बेटे हनुमना से निजी काम निपटाकर अपने गांव लौट रहे थे। मऊगंज के बरांव मोड़ बाईपास पर सामने से आ रहे अज्ञात ट्रैक्टर ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी, जिससे वे सड़क पर गिर गए और गंभीर रूप से घायल हो गए।

मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों ने घायलों को तुरंत उठाया और निजी वाहन से सिविल अस्पताल मऊगंज पहुंचाया। डॉक्टरों ने प्राथमिक इलाज के बाद दोनों की हालत गंभीर बताई है और उनका इलाज जारी है। हादसे के बाद ट्रैक्टर चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और मामला दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।